सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

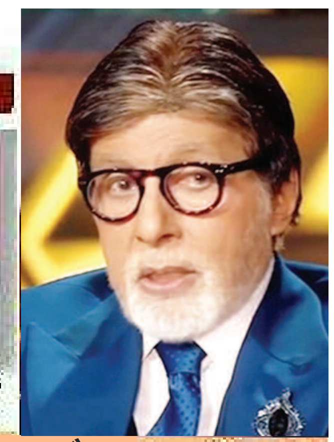

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी -पेज: 7

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 254 | मंगलवार 23 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

विंध्य को मिली बड़ी सौगात, इंदौर-रीवा फ्लाइट सेवा शुरू

इंदौर: मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को इंदौर और रीवा के बीच नई हवाई सेवा के शुभारंभ को एक विकासात्मक उपलब्धि और एक भावुक क्षण बताया। उन्होंने अपने इंदौर-1 विधानसभा क्षेत्र के 40 आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की पहली हवाई यात्रा की व्यवस्था की। विजयवर्गीय ने बताया कि रीवा पहुंचने पर यात्री चित्रकूट और मैहर माता मंदिर के दर्शन करेंगे और उसके बाद अगले दिन उसी उड़ान से इंदौर लौटेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए विजयवर्गीय ने पत्रकारों से कहा कि हमारे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के विशेष प्रयासों से इंदौर से रीवा के लिए एक नई उड़ान शुरू हुई है। रीवा पहुंचना पहले थोड़ा मुश्किल होता था। मैं सतना जिले का प्रभारी मंत्री हूं और मुझे भी वहां यात्रा करने में काफी कठिनाई होती थी। अब इस उड़ान के शुरू होने से मेरे लिए सतना जाना आसान हो जाएगा।

रेल किराए में वृद्धि, खड़गे का केंद्र पर वार, बोले- आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रही मोदी सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्र सरकार के हालिया रेल किराया वृद्धि के फैसले की आलोचना करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर आम जनता पर बोझ डालने का आरोप लगाया और कहा कि रेलवे इस समय उपेक्षा, उदासीनता और झूठे प्रचार की दुखद गाथा का सामना कर रहा है! सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में खर्गे ने आरोप लगाया कि अलग रेलवे बजट को खत्म करने के बाद से रेलवे में जवाबदेही कम हो गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार रेलवे की बिगड़ती स्थिति को सुधारने के बजाय प्रचार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 'एक्स' पोस्ट में लिखा था कि मोदी सरकार आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। केंद्रीय बजट से कुछ ही दिन

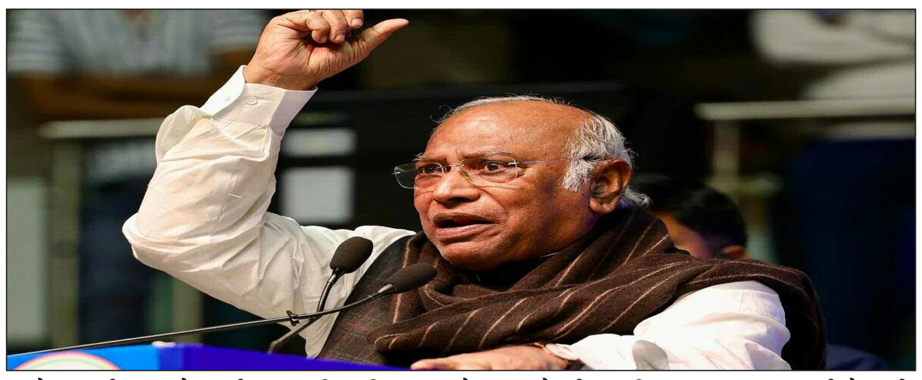

पहले एक ही साल में दूसरी बार रेलवे किराया बढ़ाया गया है। अलग रेलवे बजट न होने से जवाबदेही गायब हो गई है। रेलवे कुपोषित है, क्योंकि मोदी सरकार ठोस काम करने के बजाय झूठे प्रचार में व्यस्त है! यात्री सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि 2014 से 2023 के बीच रेल दुर्घटनाओं में 21 लाख मौतें हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि रेल यात्रा असुरक्षित हो गई है। उन्होंने कवच सुरक्षा प्रणाली के कार्यान्वयन की आलोचना करते हुए कहा कि यह 3 प्रतिशत से भी कम रेलवे मार्गों और 1 प्रतिशत से भी कम इंजनों को कवर करती है। 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, "सुरक्षा पटरी से उतरी, मौतें बढ़ती गईं: रेल दुर्घटनाओं में 21 लाख मौतें (एनसीआरबी रिपोर्ट: 2014-23 के बीच)। रेलवे अब सुरक्षित नहीं रहा, यह जीवन के साथ जुआ है। कवच की हालत खराब: पांच साल का प्रचार, कोई गंभीरता नहीं। कवच 3% से भी कम मार्गों और 1% से भी कम इंजनों को कवर

आरोप लगाया कि अलग रेलवे बजट को खत्म करने..

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में खर्गे ने आरोप लगाया कि अलग रेलवे बजट को खत्म करने के बाद से रेलवे में जवाबदेही कम हो गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार रेलवे की बिगड़ती स्थिति को सुधारने के बजाय प्रचार पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

करता है - एक सुरक्षा प्रणाली जो केवल बड़े-बड़े भाषणों में मौजूद है। नौकरियां खाली, भविष्य रुका हुआ: 31 लाख रिक्तियां व्यवस्था को सड़ा रही हैं। युवा स्थायी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं, संविदात्मक नियुक्तियां बढ़ रही हैं। (वेतन और भत्तों पर नवीनतम उपलब्ध वार्षिक रिपोर्ट)।" संसदीय समितियों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए, खरगे ने प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास निधि के कम उपयोग का आरोप लगाया, जिसमें 2023-24 में केवल 42 प्रतिशत और 2024-25 में दिसंबर तक 68 प्रतिशत निधि का उपयोग किया गया था। खरगे ने लिखा कि प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास निधि की उपेक्षा: 2023-24 में केवल 42% और दिसंबर 2024-25 तक 68% का उपयोग हुआ। लोको पायलटों को बुनियादी अवकाश नहीं दिया गया। (संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट) प्रदर्शन पर प्रचार: अमृत भारत योजना के तहत, 453 स्टेशनों के लक्ष्य के मुकाबले केवल 1 स्टेशन का उन्नयन किया गया है - विकास पर एक क्रूर मजाक। खरगे ने वित्तीय कुप्रबंधन का भी आरोप लगाया, सीएजी के आंकड़ों का हवाला देते हुए 2,604 करोड़ रुपये के नुकसान को दर्शाया और बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली रियायतें वापस ले ली गईं, जिससे बुजुर्ग यात्रियों से 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। उन्होंने हाई-स्पीड ट्रेनों के दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वंदे भारत ट्रेनें औसतन 76 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं, जो कि दावा की गई 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से काफी कम है। ' पोस्ट में कहा गया कि दिखावे की भरमार, असलियत गायब: रेल में रीलें शूट की जा रही हैं

देश में दो नमूने हैं, एक दिल्ली तो दूसरे विधानसभा में बोले सीएम योगी, कोडीन कफ सिरफ से यूपी में नहीं हुई एक भी मौत

लखनऊ एजेंसी: यूपी विधानसभा में आज कोडीन सिरप को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने हंगामे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलटवार किया है। बिना किसी का नाम लिए योगी ने कहा कि देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। देश में कोई भी चर्चा होते ही वे तुरंत देश छोड़कर भाग जाते हैं, और मुझे लगता है कि आपके 'बाबुआ' के साथ भी यही हो रहा है। वे भी इंग्लैंड की यात्रा के लिए फिर से देश छोड़ देंगे, और आप लोग यहाँ शोर मचाते रहेंगे। साफ तौर पर योगी का इशारा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर था। इसके बाद योगी ने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई है। दूसरा, इस मामले में

एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालत में यह मुकदमा जीत लिया है। तीसरा, उत्तर प्रदेश में सबसे बड़े थोक विक्रेता, जिसे एसटीएफ ने सबसे पहले गिरफ्तार किया था, को समाजवादी पार्टी ने 2016 में लाइसेंस जारी किया था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस मामले में कोई भी आरोपी बच नहीं पाएगा। और चिंता मत कीजिए, समय आने पर बुलडोजर कार्रवाई की भी तैयारी कर ली जाएगी। तब शिकायत मत करना। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक 79 मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में 225 आरोपियों के नाम हैं। अब तक 78 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 134 फर्मों पर छापेमारी की गई है। मुझे लगता है कि अगर आप इस मामले की गहराई से जांच करेंगे, तो पाएंगे कि अंततः समाजवादी पार्टी से जुड़ा कोई नेता या व्यक्ति इसमें शामिल है... उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि इस पूरे मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह लड़ाई लड़ी और जीती। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार को लेकर राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा था कि मामले की जांच जारी है और अब तक जितने भी लोग पकड़े गए हैं, उनके तार सपा से जुड़े हुए हैं। विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले विधान भवन में प्रवेश के दौरान पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी जांच जारी है

'दिल्ली और लखनऊ की लड़ाई यहां तक: सीएम योगी के 'दो नमूने' वाले कटाक्ष पर अखिलेश यादव का पलटवार

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी नेताओं पर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और कहा कि दो ऐसे "नमूने" हैं जो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दे उठने पर देश छोड़कर चले जाते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन, समाजवादी पार्टी द्वारा कोडीन-आधारित कफ सिरप के कथित अवैध व्यापार को लेकर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणियां कीं। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि यह विवाद तथ्यों के बजाय राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। उन्होंने आरोप लगाया

कि यह मामला समाजवादी पार्टी से जुड़े व्यक्तियों की संलिप्तता की ओर इशारा करता है, और दावा किया कि इस मामले से संबंधित वित्तीय लेनदेन पार्टी की लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते से हुए थे। उन्होंने आगे कहा कि विशेष कार्य बल इस मामले की जांच कर रहा है। किसी का नाम लिए बिना, आदित्यनाथ ने कहा कि "दो नामों" में से एक दिल्ली में और दूसरा लखनऊ में रहता है, और जब भी देश में कोई गंभीर बहस होती है, ये दोनों गायब हो जाते हैं। उन्होंने अखिलेश यादव का भी मजाक उड़ाया, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक भाषणों में "बाबुआ" कहते हैं, और संकेत दिया कि वे भी जल्द ही विदेश यात्रा पर निकल जाएंगे, जबकि उनकी पार्टी विधानसभा में नारे लगाती रहेगी। एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा, "देश में दो नाम हैं, एक दिल्ली में और दूसरा लखनऊ में। जब भी देश में कोई चर्चा होती है, ये लोग भाग जाते हैं।" अखिलेश यादव ने पलटवार किया अखिलेश यादव ने आदित्यनाथ की टिप्पणियों को भाजपा के भीतर फूट का खुला कबूलनामा बताते हुए पलटवार किया। विधानसभा में बोलते हुए और बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह टिप्पणी दिल्ली में पार्टी के नेतृत्व और लखनऊ स्थित राज्य इकाई के बीच आंतरिक संघर्ष को दशार्ती है। यादव ने इस बयान को "आत्म-स्वीकृति" बताते हुए कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि दिल्ली-लखनऊ के बीच कथित सत्ता संघर्ष इतना स्पष्ट हो गया

23 जिलों वाला हुआ हरियाणा, हिसार की सीमाएं बदली, सीएम ने की थी घोषणा

हांसी एजेंसी: हरियाणा सरकार ने हांसी को एक अलग जिला घोषित करने की अधिसूचना जारी की है। इसके साथ ही राज्य में अब कुल 23 जिले हो गए हैं। सरकार ने अपने बयान में कहा कि हरियाणा भूमि राजस्व अधिनियम, 1887 (पंजाब अधिनियम 17 ऑफ 1887) की धारा 5 और पंजीकरण अधिनियम, 1908 (केंद्रीय अधिनियम 16 ऑफ 1908) की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल हिसार जिले की सीमाओं में परिवर्तन करते हैं और उप-मंडलों की संख्या में संशोधन करते हैं, ताकि हांसी और नारनौंद उप-मंडलों को मिलाकर हांसी नामक एक नया जिला बनाया जा सके। इस बीच, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य भर की सभी तहसीलों में भूमि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावना काफी कम हो गई है। खरीदार अब अपने

घरों से ही ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। तहसीलदारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण पूरा करना होगा। यदि पंजीकरण समय पर पूरा नहीं होता है, तो संबंधित तहसीलदार को सरकार को लिखित स्पष्टीकरण देना होगा। यदि उत्तर संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी और जिम्मेदारी एक वरिष्ठ अधिकारी को सौंप दी जाएगी। इससे पहले, दिल्ली मंत्रिमंडल ने दिल्ली के मौजूदा 11 राजस्व जिलों को 13 नए राजस्व जिलों में पुनर्गठित करने के ऐतिहासिक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जो पूरी तरह से 12 एमसीडी जोन, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड के साथ समाहित होंगे। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 13 जिले होंगे: दक्षिण पूर्व, पुरानी दिल्ली, उत्तर, नई दिल्ली, मध्य, मध्य उत्तर, दक्षिण पश्चिम, बाहरी उत्तर, उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम। इस कदम का उद्देश्य राजस्व जिलों और एमसीडी जोन के बीच दशकों से चली आ रही क्षेत्राधिकार संबंधी उलझन को समाप्त करना है।

ईडी की अपील पर हाई कोर्ट ने सोनिया-राहुल को भेजा नोटिस

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा नेशनल हेराल्ड मामले में अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका के जवाब में जवाब मांगा है, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें ईडी द्वारा उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी ने मामले की जांच पूरी कर ली है, सबूत जुटा लिए हैं और मामले से संबंधित कई तलाशी अभियान भी चलाए हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करके गलती की है। अदालत इस मामले की आगे की सुनवाई 12 मार्च, 2026 को करेगी। न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा ने मामले की सुनवाई की। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय के समक्ष तथ्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी और आर.एस. चीमा ने कार्यवाही के दौरान गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व किया। न्यायालय को संबोधित करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि निचली अदालत ने इस तथ्य को समझने में चूक की कि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा निजी शिकायत पर संज्ञान लेना मात्र एफआईआर से कहीं अधिक कानूनी महत्व रखता है, जहां आरोपपत्र दाखिल होने के बाद भी संज्ञान लेने से इनकार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान मामले में, अनुसूचित अपराध गठित करने वाली निजी शिकायत का संज्ञान पहले ही एक सक्षम न्यायालय द्वारा लिया जा चुका है और सर्वोच्च न्यायालय तक इसे बरकरार रखा गया है, जिससे यह एक साधारण पुलिस एफआईआर की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है।

40 साल में पहली बार इस सीट पर खिला 'कमल', महाराष्ट्र निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत की ये कहानी पता है?

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ महायुती गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की है। बीजेपी, शिवसेना, सिंधे गुट और एनसीपी [संगीत] अजीत पवार गुट के गठबंधन ने 288 नगर परिषद और नगर पंचायतों में से 207 जगहों पर अध्यक्ष पद जीतकर अपना दबदबा बरकरार रखा। इस जीत में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बीजेपी की रही। जिसने अकेले 117 अध्यक्ष पद अपने नाम किए और गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस चुनावी नतीजों में नागपुर जिले की कामटी नगर पालिका परिषद की जीत सबसे ज्यादा चर्चा में रही। यहां बीजेपी ने 40 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बीजेपी प्रत्याशी अजय अग्रवाल ने कांग्रेस उम्मीदवार शाकुर नगानी को हराकर ना सिर्फ अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया बल्कि कांग्रेस के मजबूत गढ़ को भी ध्वस्त कर दिया। कामटी नगर पालिका परिषद

के अध्यक्ष पद के लिए हुआ यह चुनाव आखिर तक सस्पेंस से भरा रहा। मतगणना के शुरूआती दौर में कांग्रेस उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन आखिरी राउंड में पासा पलटा और बीजेपी ने बाजी मार ली। बीजेपी प्रत्याशी अजय अग्रवाल ने कांग्रेस के शाकुर नगानी को महज 103 वोटों के मामूली अंतर से हरा दिया। वहीं हार के बाद कांग्रेस के शाकुर नगानी ने चुनाव नतीजों में गड़बड़ी का आरोप लगाया। नागपुर जिले में कामठी विधानसभा अध्यक्ष पद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा, क्योंकि उम्मीदवारों के बीच तीखी जुबानी जंग छिड़ गई, जो चुनाव प्रचार के अंत में धांधली के आरोपों में तब्दील हो गई।

इसकी शुरूआत तब हुई जब पूर्व एमएलसी सुलेखा कुंभारे ने अपनी बहुजन रिपब्लिकन एकता मंच (बीआरईएम) पार्टी से अजय कदम को मैदान में उतारा और सहयोगी भाजपा से समर्थन की उम्मीद जताई। कुंभारे के भाजपा के साथ, खासकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, जो अक्सर उन्हें अपनी बहन कहकर पुकारते हैं। लेकिन भगवा लहर के लिए उत्सुक भाजपा ने अग्रवाल को आगे बढ़ाया और गठबंधन से इनकार कर दिया।

बांग्लादेशी हिंदुओं की मदद के लिए वैश्विक हिंदू समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा: मोहन भागवत

नई दिल्ली एजेंसी: कोलकाता में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा ही प्रेरक संबोधन दिया। हम आपको बता दें कि चार घंटे से अधिक चले विचार और प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर बढ़ते दबाव और उनके उत्पीड़न के मुद्दे पर अपने विचार रखे साथ ही केंद्र सरकार से कहा कि वह इस विषय का संज्ञान ले। उन्होंने पश्चिम बंगाल में हिंदू समाज की एकजुटता को निकट भविष्य के बदलाव की कुंजी भी बताया। हजार से अधिक शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में भागवत ने साफ कहा कि बांग्लादेश में हालात कठिन हैं। वहां के हिंदुओं को संगठित रहना होगा और वैश्विक हिंदू समाज को उनके साथ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। भागवत ने कहा, ह्यह्यहो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता।" मोहन भागवत ने अपने संबोधन में यह भी जोड़ा कि भारत हिंदुओं का देश है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल

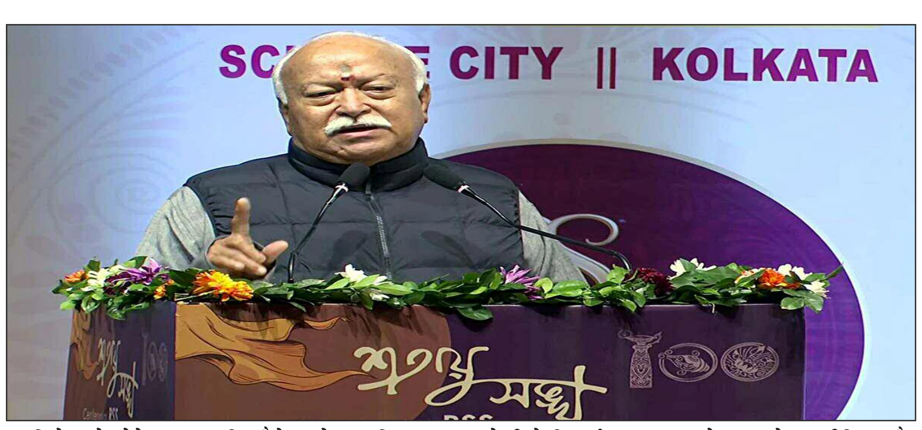

पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जैसे ही हिंदू समाज संगठित होगा, राज्य में सामाजिक बदलाव तेजी से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष का मैदान रहा है।

शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में भागवत ने साफ कहा कि बांग्लादेश में हालात कठिन हैं। वहां के हिंदुओं को संगठित रहना होगा और वैश्विक हिंदू समाज को उनके साथ खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा।

ऐसे में एकजुटता का संदेश सत्ता और समाज दोनों के समीकरणों को चुनौती देता है। कार्यक्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि आरएसएस को लेकर फैलाई गयीं भ्रांतियां वास्तविकता से दूर हैं। भागवत ने संगठन की सौ साल की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आरएसएस को समझने के लिए उसके काम को देखना होगा, न कि सुनी सुनाई बातों पर भरोसा करना होगा। उन्होंने दो टूक कहा कि आरएसएस किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक सेना में सेवा करें या राजनीति में जाएं, इससे संगठन की स्वतंत्र पहचान पर प्रश्न नहीं उठता। देखा जाये तो मोहन भागवत का कोलकाता से दिया गया हिंदू एकता का संदेश आज की सबसे बड़ी जरूरत है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसे धार्मिक रंग देते हुए मौलाना साजिद रशीदी हिंदुस्तान में मुस्लिमों की एकजुटता की बात कर रहे हैं और मामले को अलग ही दिशा दे रहे हैं। यही मोड़ सबसे संवेदनशील है। यदि हर आह्वान का जवाब केवल प्रतिआह्वान से दिया गया, तो समाधान की जगह टकराव बढ़ेगा। एकजुटता का अर्थ दीवारें खड़ी करना नहीं, बल्कि अन्याय के सामने मजबूती से खड़ा होना है। भागवत का भाषण इस मजबूती का संकेत देता है।

संपादकीय

'गैस चैंबर' राजधानी

देश की राजधानी दिल्ली बीते कई सालों से 'गैस चैंबर' बनी है। यह सिलसिला अक्तूबर में शुरू होता है और फरवरी तक जारी रहता है। 'गैस चैंबर' की टिप्पणी सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की है। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बीते दिनों अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अब दिल्ली में सुबह की सैर करना भी दूभर हो गया है। सांस घुटने लगता है। राजधानी में इतना प्रदूषण है कि जो परिवार 35-40 साल से दिल्ली में बसे थे, दिल्ली में ही कामकाज था, वे या तो दिल्ली छोड़ चुके हैं अथवा छोड़ कर गांव लौटने की तैयारी में हैं। दरअसल स्वच्छ और सेहतमंद हवा कोई 'विलासिता' नहीं है, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। नागरिकों पर बलात अत्याचार ढाया जा रहा है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के 12 इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से अधिक था। कहीं-कहीं 450 को भी लांघ गया था। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा इलाके में भी एक्यूआई 409 था। नोएडा में तो नाले सूख गए हैं, जिनमें से एक दुर्गंधमयी गैस निकलती है, जो प्रदूषण की बुनियादी कारक है। राजधानी में प्रदूषण की यह जानलेवा स्तर की 'खतरनाक स्थिति' है। बेशक यह 'स्वास्थ्य का आपातकाल' है। स्कूलों में छोटे बच्चों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। मंत्री आशीष सूद के मुताबिक, 10000 स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। क्या उनसे प्रदूषण नियंत्रित होगा? 50 फीसदी कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' के आदेश दिए गए हैं। ऐसे कब तक प्रदूषण से बचेंगे? इस साल के अंत तक बिजली वाली 7000 बसें खरीदी जाएंगी। दिल्ली सरकार के दूसरे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी जारी की है कि कल से (रविवार से ही) मौसम ज्यादा खराब होगा। इस मंत्री ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्माण-कार्य नहीं रोके गए, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी दिल्ली ऐसा महानगर है, जो हररोज, हर पल धूल में सना दिखाई देता है। वायु प्रदूषण का यह सबसे खतरनाक स्रोत है। दिल्ली-एनसीआर में 3.3 करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। अकेली दिल्ली में ही 2.88 करोड़ कारें और दोपहिया वाहन हैं। मानकों के मुताबिक, करीब 51 फीसदी प्रदूषण वाहनों के कारण ही होता है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो। ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चौधरी चरण सिंहः ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सूत्रधार और कृषक क्रांति के शिल्पकार

दिलीप कुमार पाठक

हम सब धरती पुत्र ही हैं, परंतु धरती के सबसे प्रिय पुत्र किसान ही होते हैं ' कृषि किसी भी देश की रीढ़ होती है, और उस रीढ़ के रक्षक किसान होते हैं, महापुरुषों ने किसानों को सभ्यता की नींव, देश की रीढ़ और आशावादी बताया है; महात्मा गांधी के अनुसार, उद्धार किसानों से ही संभव है, जबकि थॉमस जेफरसन ने कृषि को सबसे बुद्धिमान कार्य कहा, और जॉन एफ. केनेडी ने किसान को अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख कारक बताया जो हर चीज थोक में बेचकर और खुदरा में खरीदकर भाड़ा भी भरता है; इनके अलावा कई अन्य विचारकों ने भी किसानों के धैर्य, मेहनत और महत्व को सराहा है, बुकर टी. वॉशिंगटन ने कहा कि खेत जोतना कविता लिखने जितना ही सम्मानजनक है।

कृषि प्रधान देश में जहां देश के किसानो को आंदोलन के जरिए अपनी बात कहने के लिए दिल्ली जाने से रोक दिया जाता है, उसी देश में एक ऐसे महान नेता हुए जिन्हें किसानो का मसीहा कहा गया, देश के प्रधानमंत्री बने परंतु प्रमुख पहिचान उनकी एक किसान के रूप में ही होती है, जिनको दुनिया भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम से जानती है ' किसान दिवस भारत के पूर्व पीएम किसानों के मसीहा भारतरत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को मनाया जाता है। चरण सिंह किसानों के सर्वमान्य नेता थे। उन्होंने भूमि सुधारों पर काफी काम किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में और केन्द्र में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने गांवों और किसानों को प्राथमिकता में रखकर बजट बनाया था। उनका मानना था कि खेती के केन्द्र में है किसान, इसलिए उसके साथ कृतज्ञता से पेश आना चाहिए और उसके श्रम का प्रतिफल अवश्य मिलना चाहिए।

किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। लेकिन देश की आजादी के बाद ऐसे नेता कम ही देखने में आए जिन्होंने किसानों के विकास के लिए निष्पक्ष रूप में काम किया। ऐसे नेताओं में सबसे अग्रणी थे, देश के पूर्व पीएम भारतरत्न चौधरी चरण सिंह। चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व गरीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। किसानों के मसीहा चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले में हुआ था। चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह ने अपने नैतिक मूल्यों को विरासत में चरण सिंह को सौंपा था। चौधरी साहब ने किसानों, पिछड़ों और गरीबों की राजनीति की। उन्होंने खेती और गाँव को महत्व दिया। वह ग्रामीण समस्याओं को गहराई से समझते थे और अपने मुख्यमंत्रित्व तथा केन्द्र सरकार के वित्तमंत्री के कार्यकाल में उन्होंने बजट का बड़ा भाग किसानों तथा गांवों के पक्ष में रखा था। वे जातिवाद को गुलामी की जड़ मानते थे और कहते थे कि जाति प्रथा के रहते बराबरी, संपन्नता और राष्ट्र की सुरक्षा नहीं हो सकती है।

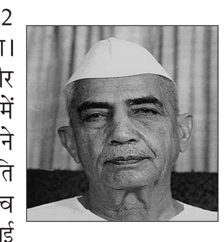

आजादी के बाद चरण सिंह पूर्णतः किसानों के लिए लड़ने लगे, चरण सिंह की मेहनत के कारण ही 'जमींदारी उन्मूलन विधेयक' साल 1952 में पारित हो सका। इस एक विधेयक ने सदियों से खेतों में खून पसीना बहाने वाले किसानों को जीने का मौका दिया। जोत अधिनियम1960 जमीन की अधिकतम सीमा तय कर उसे एक समान बनाने के लिए यह कानून लाए। विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन में योगदान दिया। मंत्रियों के वेतन और भत्तों में कटौती जैसे जनहितकारी कदम उठाए। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब वे उप प्रधानमंत्री थे। जमींदारी उन्मूलन, भारत की गरीबी और उसका समाधान, किसानों की भूसंपत्ति जैसी कई किताबें और पुस्तिकाएं लिखीं, जो उनके विचारों को दशार्ती हैं ' दृढ़ इच्छा शक्ति के धनी चरण सिंह ने प्रदेश के 27000 पटवारियों के त्यागपत्र को स्वीकार कर 'लेखपाल' पद का सृजन कर नई भर्ती करके किसानों को पटवारी आतंक से मुक्ति तो दिलाई ही, प्रशासनिक धाक भी जमाई। लेखपाल भर्ती में 18 प्रतिशत स्थान हरिजनों के लिए चौधरी चरण सिंह ने आरक्षित किया था। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानने लगे थे। उन्होंने समस्त उत्तर प्रदेश में भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में कृषि मुख्य व्यवसाय था। कृषकों में सम्मान होने के कारण इन्हें किसी भी चुनाव में हार का मुख नहीं देखना पड़ा ' भारतरत्न चौधरी चरण सिंह जैसे नेता सदियों में जन्म लेते हैं '

सड़कें, सुरक्षा और सिस्टम में बदलाव के साथ ही विकास की रफ्तार में जान बचाने की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में सड़कें विकास की धमनियां मानी जाती हैं, लेकिन यही सड़कें हर साल लाखों परिवारों के लिए दर्द और मातम की वजह भी बन रही हैं। देश में हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि वे सपने हैं जो अधूरे रह जाते हैं। वे परिवार हैं जो जीवनभर का खालीपन झेलने को मजबूर हो जाते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन हादसों में मारे जाने वालों में लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं, यानी देश की सबसे युवा, सबसे ऊर्जावान और उत्पादक आबादी। यह स्थिति न केवल सामाजिक चिंता का विषय है, बल्कि आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इन आंकड़ों को रखते हुए सरकार की चिंता और प्रयासों दोनों को सामने रखा। उन्होंने स्वीकार किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर कानून, नियम और सुधारों के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। मंत्री ने बताया कि दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। एक आईआईएम के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सड़क हादसे के बाद घायलों को दस मिनट के भीतर चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो हर साल करीब पचास हजार लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल सड़क की गुणवत्ता या वाहनों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और प्रशासनिक समन्वय की भी है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित क्यों है। तेजी से बढ़ती मोटराइजेशन, जोखिम भरी ड्राइविंग, तेज रफ्तार, शराब या नशे में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, और ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही, कई जगहों पर सड़क डिजाइन, साइन बोर्ड, लाइटिंग और ब्लैक स्पॉट्स की अनदेखी भी दुर्घटनाओं को न्योता देती है। सरकार ने इन समस्याओं से निपटने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क सुरक्षा ऑडिट, जागरूकता अभियान और कड़े कानून लागू किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर अभी भी सीमित दिखाई देता है।

सड़क सुरक्षा के साथ-साथ देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार भी एक बड़ा मुद्दा है। मंत्री ने सदन में बताया कि वर्तमान में स्वीकृत 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये है, जो अपने आप में बताती है कि देरी का असर केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर भी पड़ता है। इन विलंबित परियोजनाओं में से करीब 300 परियोजनाएं एक साल से कम समय से, 253 परियोजनाएं एक से तीन साल से और 21 परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में परियोजनाएं समय पर पूरी क्यों नहीं हो पा रही हैं।

मंत्री ने इसके पीछे कई कारण गिनाए। भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है, जहां कानूनी विवाद, मुआवजे को लेकर असहमति और स्थानीय विरोध परियोजनाओं को रोक देते हैं। इसके अलावा, वन और वन्यजीव मंजूरी जैसी पूर्व-स्वीकृतियों में देरी भी बड़ी समस्या है। करीब 133 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनकी लागत कम है, लेकिन वे अभी तक आवश्यक मंजूरियां नहीं मिलने के कारण शुरू ही नहीं हो सकी हैं। धन की उपलब्धता, ठेकेदारों की क्षमता, पर्यावरणीय संतुलन और राज्यों के साथ समन्वय जैसे मुद्दे भी निर्माण की गति को प्रभावित करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि जहां एक ओर नई सड़कें बनने में देरी होती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहता है।

इन चुनौतियों के बीच सरकार टोल कलेक्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है, जिसे सड़क यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नितिन गडकरी ने बताया कि 2026 के अंत तक देशभर में सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। यह प्रणाली सैटेलाइट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नंबर प्लेट पहचान तकनीक पर आधारित होगी, जिसमें फास्टैग का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वाहन बिना रुके, करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टोल प्लाजा पार कर सकेंगे और स्वचालित रूप से टोल कट जाएगा।

वर्तमान में मैनुअल टोल प्रणाली में जहां तीन से दस मिनट तक का समय लग जाता था, वहीं फास्टैग के आने से यह समय घटकर करीब 60 सेकंड हुआ। नई सैटेलाइट आधारित व्यवस्था का लक्ष्य है कि टोल पर रुकने की जरूरत ही न पड़े। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। मंत्री के अनुसार, इस प्रणाली से हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी, क्योंकि टोल प्लाजा पर रुकने और दोबारा गति पकड़ने में होने वाला ईंधन खर्च कम हो जाएगा। इसके साथ ही सरकार के राजस्व में भी करीब 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

हालांकि, तकनीक आधारित इस बदलाव के साथ कुछ सवाल और चुनौतियां भी जुड़ी हैं। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, सिस्टम की सटीकता और ग्रामीण तथा दूरदराज इलाकों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सरकार को विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि टोल की गणना पारदर्शी हो और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। यदि यह प्रणाली सही ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि ट्रैफिक जाम और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को भी कम करने में मदद कर सकती है।

सड़क सुरक्षा, निर्माण की गति और टोल व्यवस्था,ये तीनों मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। बेहतर सड़कें और सुव्यवस्थित ट्रैफिक सिस्टम जहां यात्रा को तेज और आरामदायक बनाते हैं, वहीं सुरक्षा उपायों की अनदेखी इन्हें जानलेवा भी बना सकती है। सरकार की नीतियां और योजनाएं तभी सफल होंगी, जब उनके साथ सख्त क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और जवाबदेही भी जुड़ेगी। सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति चाहे वह पैदल यात्री हो, दोपहिया चालक हो या भारी वाहन का ड्राइवर ,सुरक्षा नियमों का पालन करे, तभी दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी लाई जा सकती है।

आज जरूरत इस बात की है कि सड़क हादसों को केवल आंकड़ों की तरह न देखा जाए, बल्कि हर मौत को एक चेतावनी के रूप में लिया जाए। युवा आबादी का इस तरह सड़क दुर्घटनाओं में खत्म होना देश के भविष्य पर सीधा प्रहार है। समय पर इलाज, मजबूत आपातकालीन सेवाएं, सुरक्षित सड़क डिजाइन, जिम्मेदार ड्राइविंग और आधुनिक तकनीक आदि इन सभी के समन्वय से ही भारत की सड़कें विकास की राह पर चलने के साथ-साथ जीवन की रक्षा भी कर सकेंगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो विकास की तेज रफ्तार के बीच इंसानी जानों की कीमत चुकानी पड़ती रहेगी, और यही किसी भी सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ी विफलता होगी।

विश्व में शांति स्थापित करने हेतु भारतीय संस्कृति का उत्थान आवश्यक है

कहा जाता है कि सतयुग में समाज पूर्णतः एकरस था और उस समय के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्टतः दिखाई देती थी। एक कहानी के माध्यम से इस बात को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। सतयुग के खंडकाल में एक किसान ने अपनी जमीन बेची। जिस व्यक्ति ने वह जमीन खरीदी थी, उसे, उस जमीन की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा हुआ एक घड़ा मिला। उस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता के पास पहुंचा और बोला कि आपकी जमीन में से यह सोने के सिक्कों से भरा हुआ घड़ा मिला है, चूंकि मैंने आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इन सोने के सिक्कों पर मेरा अधिकार नहीं है और आप यह घड़ा अपने पास रख लें, सोने के इन सिक्कों पर आपका अधिकार है। जमीन के विक्रेता ने सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेने से यह कहकर साफ इनकार कर दिया कि मैंने तो वह जमीन आपको बेच दी है, अतः बाद में उस जमीन से जो भी वस्तु आप प्राप्त करते हैं उस पर आपका ही अधिकार हैं। उस वस्तु पर मेरा अधिकार कैसे हो सकता है? जब उस जमीन के क्रेता एवं विक्रेता के बीच कोई समझौता नहीं हो सका तो वे सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेकर अपने राज्य के राजा के पास पहुंचे और दोनों ने राजा को पूरी बात बताई तथा राजा से आग्रह किया कि सोने के सिक्कों को राजा साहब राज्य के खजाने में जमा करा दें। राजा ने भी सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि राज्य के नियमों में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि बगैर किसी उचित कारण के प्राप्त धन को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। इस सम्बंध में जो नियम निर्धारित हैं उन नियमों के आधार पर यह सोने के सिक्के राज्य के खजाने में जमा नहीं किये जा सकते हैं। ऐसा था, सतयुग का खंडकाल। जो वस्तु हमारी नहीं है उस वस्तु को हम कैसे अपने पास रख सकते हैं? प्रत्येक नागरिक इस भावना के साथ समाज में एकरस भाव से रहता था।

सतयुग के बाद आया त्रेतायुग, इस युग में समाज में समरसता के भाव में कुछ कमी दिखाई दी थी। जैसे एक समाज (दानव) के राजा रावण ने दूसरे समाज (देव) की माता सीता का अपहरण किया और अपने राज्य में कैद कर लिया। प्रभु श्रीराम ने आदिवासियों और वानरों के समूह को एक कर, इन सभी में समरसता का भाव जागृत करते हुए, रावण के राज्य पर आक्रमण किया एवं माता सीता को उस राज्य के चंगुल से छुड़ाकर सकुशल अयोध्या लाने में सफल हुए। प्रभु श्रीराम ने त्रेतायुग में यह संदेश दिया कि सर्व समाज यदि संगठित रहता है तो किसी भी बुराई से पार पाया जा सकता है। अतः त्रेतायुग में संगठन की महत्ता सिद्ध हुई थी।

त्रेतायुग के बाद द्वापर युग आया, इस खंडकाल में तो समाज क्या, बल्कि दो परिवारों के बीच की एकता भी समाप्त हो चुकी थी। कौरव परिवार ने अपने ही पांडव भाईयों को केवल 5 गांव देने से साफ इंकार कर दिया। जिसके कारण आगे चलकर कौरव एवं पांडवों की बीच महाभारत युद्ध हुआ। आज के खंडकाल कलयुग की तो बात ही निराली है। आज पश्चिमी जगत में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने सुख के लिए ही कार्य करता हुआ दिखाई देता है। परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति जैसे उसकी कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। आज कलयुग में नागरिक अपने आप में केंद्रित हो गए हैं एवं उन्हें परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के प्रति किसी जिम्मेदारी का भाव जागृत ही नहीं होता।

भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को ल्लवसुधैव कुटुंबकमह्व; ल्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व; ल्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं। ऐसे गम्भीर समय में केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही इस पूरे विश्व में शांति का माहौल पुनः स्थापित कर सकती है।

विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में सेवा कार्य में संलग्न आदरणीय दीदी निवेदिता रघुनाथ भिड़े ने ल्लभारतीय संस्कृति - चुनौतियां एवं सम्भावनाएंह्व नामक पुस्तक में भारतीय संस्कृति के बारे में जीवन दर्शन की व्याख्या करते हुए बताया है कि ल्लजिस ज्ञान के द्वारा साधक विभक्त प्राणियों में विभाग रहित एक अविनाशी भाव को देखता है, उस ज्ञान को सात्विक ज्ञान कहा गया है। भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन या जीवन दृष्टि सात्विक ज्ञान से निर्धारित हुई है। ईश्वर, मानव, सृष्टि अलग अलग नहीं है। अतः भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन एकात्म है ह्व इसके विपरीत, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य सम्पूर्ण प्राणियों में अलग अलग अनेक भावों को अलग अलग रूप से जानता है, इस ज्ञान को राजस ज्ञान कहा गया है। क्रिशिचियन एवं इस्लाम पंथ इसी ज्ञान से प्रेरित है। साथ ही, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य एक कार्य (शरीर) में ही आसक्त हो जाता है, मानों वह (कार्य ही) सब कुछ हो तथा जो (ज्ञान) हेतुरहित (आयुक्तिक), तत्त्वार्थ से रहित तथा संकुचित (अल्प) है, वह (ज्ञान) तामस है। पूंजीवाद, कम्युनिजम, नक्सलवाद, साम्यवाद, मार्कस्वाद और माओवाद का जीवन दर्शन तामसिक ज्ञान से प्रेरित है। उक्तवर्णित पुस्तक में यह भी बताया गया गई कि उक्त जीवन दर्शन के आधार पर ही राष्ट्र में जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्मित होते हैं, जिनका अनुपालन उस राष्ट्र के नागरिक करते हैं। भारतीय संस्कृति के कुल 12 जीवन मूल्य बताए गए हैं - (1) सभी के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव रखना; (2) प्रत्येक जीव को ईश्वर का रूप माना जाना; (3) इष्टदेव अर्थात ईश्वर अपने अंतःकरण में खोज का विषय है, अतः ईश्वर को बाहर खोजने के स्थान पर अपने अंदर खोजा जाना; (4) विविधता में एकता मानी गई है, जिसके चलते ही सर्व समाज एकरस रहने का प्रयास करता है; (5) चतुर्विध पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, अर्थात काम एवं अर्थ सम्बंधी गतिविधियों को धर्म के आधार पर सम्पन्न किया जाता है एवं अंत में मोक्ष प्राप्ति की अपेक्षा की जाती हैः (6) महिलाओं का सम्मान - भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को देवी का दर्जा दिया जाता है; (7) उदार एवं समावेशक - शक, हूण, कुषाण, पारसी, यहूदी आदि अन्य देशों से भारत में आए एवं भारत के ही होकर रह गए, भारतीय संस्कृति के संस्कारों को उन्होंने अपने आप में आत्मसात कर लिया। यह केवल भारत में ही सम्भव है; (8) कर्म सिद्धांत - इस मानव जन्म में किए गए कर्मों के आधार पर ही मोक्ष की प्राप्ति अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में फिर से फंसने की सम्भावना के बारे में निर्णय होता है; (9) अवतार की संकल्पना - इस धरा पर जब जब पापों का घड़ा भर जाता है तब तब ईश्वर इस धरा पर अवतार लेकर अवतरित होते हैं; (10) आध्यात्म विश्वास में नहीं, अनुभूति में और होने में है; (11) यज्ञ का महत्व - समाज की सेवा के माध्यम से भी यज्ञ सम्पन्न किया जा सकता है, अन्य कई प्रकार के यज्ञों का वर्णन भी भारतीय संस्कृति में मिलता है; (12) आत्म संयम - अपना जीवन संयम के साथ जीने की कला भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों में शामिल है, इसके अंतर्गत किसी अन्य प्राणी का अहित करने के बारे में तो कभी सोचा भी नहीं जाता है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं। मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास किया गया था। इस खंडकाल में भारतीय नागरिक अपनी महान परम्पराएं भूल गए थे। इसी खंडकाल में वैश्विक स्तर पर ग्रीक, रोमन, फारसी, मिस्त्र जैसी कई संस्कृतियां विलुप्त हो गईं परंतु भारतीय संस्कृति अभी भी कायम है और मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सका है। इन्हीं कारणों के चलते अब यह कहा जा रहा है कि समस्त विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का उत्थान अति आवश्यक है।

नगर पालिका परिषद द्वारा पुलिस एवं प्रशासन के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद द्वारा पुलिस एवं प्रशासन के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत बाजारो मे अवैध एवं अनुचित रूप से सरकारी नाले - नाली के ऊपर उसके आगे सार्वजनिक मार्ग पर रखे हुए सामान को हटाते हुए जब्त किया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की बीते दिनों रोड सेफ्टी की बैठक मे विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी महोदय के समक्ष नगर के बाजारो मे व्याप्त अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए बाजारो मे आमजन के आवागमन को बाधित करने वाले अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की गयी।

जिस पर जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन मे नगर के बाजारो मे सरकारी नाले- नाली व सार्वजनिक मार्गो पर भवन स्वामियों व दुकानदारों द्वारा सामान रख कर जाल, तख़्त, भट्टी आदि रख कर किये गए अतिक्रमण को स्वयं हटाए जाने के लिए नगर के बाजारो मे प्रचार प्रसार कराया गया तथा आज नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा पुलिस के साथ नगर के बटवाल मुख्य रोड से बाजार बटवाल, बाजार कोट, कोट चौराहा, बाजार शफात पोता, बाजार गुजरी, बाजार बसावन गंज, कोतवाली रोड, बड़ा बाजार, मंडी चौब चौराहा होते हुए स्टेशन रोड पर अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत सरकारी नाले- नाली के ऊपर व उससे आगे सार्वजनिक मार्गो पर रखे गए सामान को हटवाते हुए जब्त कर लिया गया, नगर के मुख्य बाजार मे आज बड़े स्तर पर हुई इस कार्यवाही मे बड़ी संख्या मे सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी संख्या मे रखी गयी सामग्री को जब्त किया गया। पालिका अधिशासी अधिकारी ने समस्त नगर वासियो से अपील की है की नगर को सुन्दर व सुव्यवस्थित बनाये जाने के पालिका के प्रयासों मे सहयोग प्रदान करें अपनी दुकान व मकान का सामान अंदर रखें उसे नाले नाली के ऊपर अथवा सार्वजनिक मार्गो पर ना रखे पालिका का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, यदि किसी भवन स्वामी अथवा दुकानदार का सामान बाहर रखा हुआ पाया गया तो उसे जब्त करते हुए संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी।

धनौरा में मनाई गई स्वामी हीरानंद की पुण्यतिथि, साधु-संतों ने शहर में निकाली प्रभातफेरी

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में स्वामी हीरानंद की पुण्यतिथि बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साधु संतों ने शहर में प्रभात फेरी भी निकाली और भंडारे का आयोजन भी कराया। पुण्यतिथि का आयोजन नगर के आनंद धाम आश्रम में कराया गया। सोमवार को धनौरा नगर के मोहल्ला हीरानगर स्थित आनंद धाम आश्रम में संस्थापक स्वामी हीरानंद की पुण्यतिथि को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुण्यतिथि में शामिल साधु संतों ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर में प्रभात फेरी निकाली ,इस प्रभात फेरी को आनंद धाम आश्रम से प्रारंभ कराया गया जिसको शहर के मुख्य मार्गो कंचन बाजार ,हरदेव बाजार ,अग्रसेन बाजार ,गढ़ी मंदिर धर्मशाला, कटरा, पुराना स्टेट बैंक चौराहा, सोसाइटी,नुक्कड़, शिव

मंदिर, गुरुद्वारा रोड और बाईपास से होते वापस आश्रम पर ही समाप्त कराया गया। प्रभात फेरी के दौरान उसमें शामिल संत समाज के लोग भजन कीर्तन करते हुए चलते रहे, समापन के समय आरती की गई और प्रसाद भी वितरण किया गया इसके साथ ही एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्तों को भंडारे के प्रसाद का वितरण किया।

इस अवसर पर टीकाराम सैनी गितेश अग्रवाल, मनु अग्रवाल ,पिंटू रुहेला, सौरभ अग्रवाल, अर्जुन सैनी, आनंद शर्मा, कपिल कुमार, विनीत अग्रवाल, अनूप अग्रवाल ,मनोज प्रजापति सहित कई श्रद्धालु और संत समाज के लोग मौजूद रहे।

सर्दी से बचाव के लिए छात्र छात्राओं को किया गया स्वेटरों का वितरण

अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ ने कार्यक्रम में वितरित किए स्वेटर

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ द्वारा विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं को ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से स्वेटरों का निः शुल्क वितरण किया गया। 50 छात्र छात्राओं को स्वेटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि छात्र छात्राएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उनकी देखभाल करना

हम सभी का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा की इस प्रकार के कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव आते है। और आगे भी अंबेडकर युवक संघ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करेगा। संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम ने कहा कि छात्र छात्राओं के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही गई। बताया कि आज के इस कार्यक्रम में 50 छात्र छात्राओं को स्वेटर का वितरण किया गया। उपस्थित सभी अभिभावकों ने अंबेडकर युवक संघ के इस प्रयास की सराहना की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह,ग्राम प्रधान राजकुमार,अमित कुमार, जयवीर सिंह,राशिद अली, संतराम सिंह अजय सागर, दीपचंद,प्रथी सिंह आदि मौजूद रहे।

नौगांवा सादात में ट्रॉमल कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन, नगरवासियों को मिली बड़ी राहत

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की नगर पंचायत नौगांव सादात में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष सुबीना जैदी और अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज ने संयुक्त रूप से ट्रॉमल कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। फीता काटकर प्लांट को शुरू करने के बाद दोनों अधिकारियों ने इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज ने बताया कि पिछले कई वर्षों से नगर पंचायत क्षेत्र में कूड़े का संग्रहण और निस्तारण एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। कूड़ा सड़कों पर इकट्ठा हो रहा था, जिससे बदबू और मच्छरों की समस्या बढ़ गई थी। अब ट्रॉमल प्लांट के शुरू होने से कूड़े का नियमित संग्रहण और प्रोसेसिंग शुरू हो जाएगा। इस प्लांट में कूड़े को अलग-अलग श्रेणियों में छांटा जाएगा, जिससे जैविक कूड़े से खाद और गैर-जैविक कूड़े का रिसाइक्लिंग संभव होगा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सुबीना जैदी ने कहा कि यह प्लांट स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पंचायत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे कूड़े को सही जगह पर डालें और प्लांट की सफलता में सहयोग करें। कार्यक्रम में नगर पंचायत के कई पार्षद, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।नगरवासियों ने इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि अब उनकी गलियों में कूड़े का ढेर नहीं दिखेगा। ट्रॉमल प्लांट के शुरू होने से नौगांवा सादात अब स्वच्छता के मामले में एक मॉडल नगर पंचायत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

समाज के सर्वांगीण विकास में सहयोग हेतु तत्पर है एसबीआई: क्षेत्रीय प्रबंधक

असमोली/संभल (सब का सपना):- भारतीय स्टेट बैंक समाज के सभी वर्गों के उत्थान एवं विकास में सहयोग में प्रमुख भागीदारी निभा रहा है और अपनी विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों से धरातल पर कार्य कर रही है और सेवा भाव के लिए कटिबद्ध है। भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय पंचम रामपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रभात कुमार ने विकास खंड असमोली जिला सम्भल के भटपुरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर आयोजित

कार्यक्रम में कहें। बताते चले कि भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय रामपुर ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी सीएसआर के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र भटपुरा जिला सम्भल का उन्नयन कार्य कराया। जिसमें आंगनवाड़ी केन्द्र के रंग रोगन आदि मरम्मत कार्य कराए गए एवं बच्चों के लिए खेल कूद, पठन पाठन, मनोरंजन, स्मार्ट क्लास इत्यादि संबंधी उपकरण प्रदान किए गए और बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल हेतु वाटर फिल्टर दिया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक असमोली शाखा अशोक कुमार, मैनेजर एच आर मनोज कुमार, सहायक प्रबंधक अरविंद कुमार, आंगनवाड़ी केंद्र प्रभारी सीमा रानी एवं ग्राम प्रधान और ग्रामवासी उपलब्ध रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वच्छता समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को और अधिक प्रभावशाली, पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए बहुपक्षीय बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ओएसआर से विभिन्न स्त्रोतों से अर्जित आय की समीक्षा, आर०आर०सी० क्रियाशीलता की समीक्षा, रेट्रोफिटिंग कार्य की समीक्षा, सिंगल यूज प्लास्टिक का उचित निस्तारण, चिन्हित ओ०डी०एफ० प्लस मॉडल ग्रामों की समीक्षा, सामुदायिक शौचालय प्रयोग किये जाने की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में गंगा तिगरी मेले में बेहतर कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों, पंचायत सचिवों एवं एडीओ पंचायत को प्रशस्ति पत्र देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा ब्लॉकवार ओएसआर से विभिन्न स्त्रोतों से अर्जित आय की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि समस्त ग्राम पंचायतें स्वयं की आय के और स्त्रोतों को चिन्हित करें जिससे कि भविष्य में ग्राम पंचायतें अपनी स्वयं की आय से आत्मनिर्भर बनते हुए विकास कार्यों को कराने में सक्षम हो सके। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना बनाते हुए अधिक से अधिक आय अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी आर०आर०सी० को क्रियाशील रखने और घर घर से कूड़ा एकत्रीकरण का कार्य नियमित रूप से करने के निर्देश दिए और इसके प्रभावी संचालन के लिए गांवों के लोगों को जोड़ते हुए उनसे सहयोग प्राप्त करें। सभी एडीओ पंचायत को निर्देश दिए कि सभी 537 क्रियाशील आर०आर०सी० केंद्रों की जियो टैग फोटो एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विभिन्न ग्राम पंचायतों में ओएसआर से अर्जित आय के सही आंकड़े एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। पंचायतों में बनी लाइब्रेरी का संचालन बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिए। शौचाहलयों के रेट्रोफिटिंग के कार्यों का भौतिक सत्यापन न करने पर पंचायत सचिवों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अमरोहा ब्लॉक में शुरू की गयी नई पहल आंगनवाड़ी केंद्रों पर आरम्भशाला शुरू करने के निर्देश खंड विकास अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि यह पहल शिक्षा-पोषण को जोड़कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक अच्छी नींव डालने पर केंद्रित है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंद्र सिंह ढिल्लो, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, समस्त खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, पंचायत सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चैकिंग के दौरान पुलिस ने दबोचे दो युवक,दो अवैध तमंचे व असलहा बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो युवकों को धर दबोचा जिनके कब्जे से दो अवैध तमंचे सहित असलाह बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा अभियुक्त के खिलाफ अपराध की संबंधित धारा में चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बता दें कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गजरौला पुलिस ने चेकिंग के दौरान

दो युवकों नौशाद पुत्र कासम निवासी मोहल्ला जलाल नगर कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा उम्र करीब 27 वर्ष एवं हनीमान पुत्र सतपाल सिंह निवासी ग्राम पारा पट्टी ,धनौरा जिला अमरोहा उम्र करीब 24 वर्ष को दो अवैध तमंचों के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक दोनों गिरफ्तार अभिक्तों के कब्जे से दो अवैध तमंचे 12 बोर एवं चार जिंदा कारतूस 12 बोर के बरामद किए गए। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को अपराध की संबंधित धाराओं में चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक नितेंद्र कुमार वशिष्ठ, उप निरीक्षक अंकुर मलिक, कांस्टेबल सुमित कुमार एवं कांस्टेबल अभिषेक कुमार सहित दो अन्य कांस्टेबल शामिल रहे।

ब्लॉक प्रमुख की अगुवाई में पंचायत सदस्यों की बैठक, जल संरक्षण और विकास कार्यों पर चर्चा

रहरा अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड परिसर स्थित ब्लॉक सभागार में सोमवार को ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल बचाओ जीवन बचाओ अभियान के साथ-साथ विकास कार्यों की समीक्षा और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करना और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने अपने संबोधन में कहा,पिछले साढ़े चार वर्षों में ब्लॉक प्रमुख निधि के माध्यम से विकासखंड के हर कोने में नाला निर्माण, सीसी रोड निर्माण और गौशाला जैसी महत्वपूर्ण

योजनाओं को अमल में लाया गया है। विकासखंड क्षेत्र में ऐसा कोई गांव नहीं बचा जहां हमारे द्वारा विकास कार्य न कराया गया हो। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों में साफ-सफाई अभियान को प्राथमिकता दें। साथ ही, जहां भी विकास की कमी हो, वहां की सूचना तुरंत उपलब्ध कराएं ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में विकास कार्यों की प्रगति पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा करते हुए सुझाव दिए कि गांव स्तर पर वर्षा जल संचयन और तालाबों के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। ब्लॉक प्रमुख ने आश्वासन दिया कि सभी प्राप्त सुझावों पर शीघ्र अमल किया जाएगा। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार, एडीओ पंचायत नितिन जैन, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, मनरेगा एपीओ सौरभ चौधरी, प्रधान संघ अध्यक्ष पप्पू प्रधान, चरण सिंह प्रधान, जुनैद प्रधान, राधेश्याम प्रधान, रामपाल सिंह (नेताजी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य), इशरत अली प्रधान, मेहराज अली (बीडीसी), विजेंद्र सिंह प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सितारा, आस मोहम्मद प्रधान, जाकिर प्रधान, मोबिन प्रधान, बिजेंद्र सिंह प्रधान, अंसार अहमद, ब्रजकिशोर राणा, टिंकू जाटव, अमर सिंह (क्षेत्र पंचायत सदस्य), प्रताप सिंह (क्षेत्र पंचायत सदस्य), कुमारपाल सिंह प्रधान, उमैद प्रधान, जितेंद्र सिंह, मोमराज सिंह सहित समस्त सम्मानित क्षेत्र पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

घने कोहरे की चादर से ढका नेशनल हाईवे-9,विजिबिलिटी शून्य,तापमान 7 डिग्री

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कड़ाके की ठंड के चलते घने कोहरे का प्रकोप लगातार जारी है। जिससे क्षेत्र और सड़कों पर विजिबिलिटी लगभग शून्य हो गई है। वहीं जनपद के गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर भी घने कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार थमती दिखाई दी और विजिबिलिटी लगभग शून्य रही। बता दें कि सोमवार की सुबह जनपद के गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर घना कोहरा छाया रहा जिसके चलते पूरे इलाके और सड़कों पर विजिबिलिटी भी शून्य बनी रही। जिस कारण हाईवे पर वाहनो की रफ्तार धीमी गति से रैंगती नजर आई। सुबह के समय यात्रियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। करीब तीन बजे जाकर सूर्य देवता ने धरती पर अपना रंग दिखाया लेकिन शाम ढलते ही फिर ठंड ने

अपना वही रूप दिखा दिया।इसके अलावा तापमान की अगर बात करें तो लगातार बढ़ रही ठंड के कारण तापमान में भी गिरावट आ रही है, सोमवार को न्यूनतम तापमान करीब 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार बढ़ रही ठंड के कारण और कोहरे के प्रकोप के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। इसके अलावा मौसम की मार के साथ-साथ प्रदूषण ने भी लोगों की परेशानी को बढ़ा दिया है अमरोहा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 207 दर्ज किया गया है जो अस्वस्थ श्रेणी में आता है। प्रदूषित हवा के चलते बुजुर्गों बच्चों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। फिलहाल आने वाले समय में कोहरे और ठंड से राहत मिलने के आसार कम दिखाई दे रहे हैं।

साइबर सेल की सतर्कता से 130 खोए मोबाइल मालिकों को लौटाए

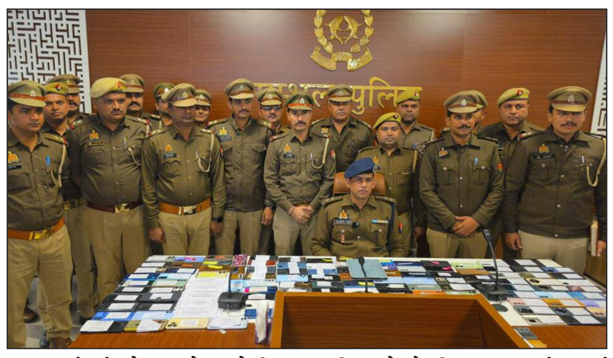

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस की साइबर यूनिट ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। खोए या चोरी हुए 130 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये है, बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए। यह कार्रवाई एसपी कृष्ण कुमार के कुशल नेतृत्व में की गई, जिसमें एएसपी (दक्षिणी)अनुकृति शर्मा और एएसपी/क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार भाटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनपद सम्भल में मोबाइल फोन चोरी या गुम होने की बढ़ती शिकायतों पर एसपी कृष्ण कुमार ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने साइबर थाना, जनपदीय साइबर सेल और थाना साइबर सेल को निर्देश दिए कि शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो और फोन जल्द से जल्द बरामद किए जाएं। इन निर्देशों के अनुपालन में साइबर सेल की टीम ने दूरसंचार विभाग के सीईआईआर पोर्टल का सहारा लिया। अथक परिश्रम और अभियान के जरिए न केवल जनपद सम्भल से, बल्कि अन्य जिलों और राज्यों से भी ये 130 फोन ट्रेस कर बरामद किए गए। एएसपी आलोक कुमार भाटी ने बताया, यह सफलता हमारी टीम की मेहनत और आधुनिक तकनीक के संयोजन का नतीजा है। सीईआईआर पोर्टल ने चोरी के फोन ट्रैक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम जनता से अपील करते हैं कि ऐसी घटनाओं में तुरंत रिपोर्ट करें ताकि हम और तेजी से कार्रवाई कर सकें। बरामद फोन एसपी कार्यालय में आयोजित एक समारोह में मालिकों को सौंपे गए, जहां कई प्रभावितों ने पुलिस की सराहना की। नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी गई फोन गुम हो तो ये कदम उठाएं इस सफलता के साथ ही जनपदीय साइबर सेल ने आम जनता से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत कार्रवाई करें। सबसे पहले सिम कार्ड को ब्लॉक करवाएं ताकि अनधिकृत उपयोग रुके। इसके बाद बैंक खातों की सुरक्षा के लिए बैंक से संपर्क करें। किसी भी नागरिक द्वारा सीईआईआर पोर्टल या 'संचार साथी' ऐप के जरिए स्वयं ही फोन का आईएमईआई (IMEI) नंबर ब्लॉक करवाया जा सकता है। साइबर सेल के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि बरामदगी के लिए आईएमईआई ब्लॉकिंग अनिवार्य है। यदि थाने में शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो आईएमईआई ब्लॉक की रिक्वेस्ट आईडी जरूर लें, जिससे ट्रैकिंग आसान हो। 'संचार साथी' ऐप न केवल आईएमईआई ब्लॉकिंग की सुविधा देता है, बल्कि संदिग्ध कॉल/मैसेज की शिकायत, अपने नाम पर रजिस्टर्ड मोबाइल कनेक्शन की जानकारी और फोन की वैधता जांचने जैसे कई फीचर्स से लैस है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एपल ऐप स्टोर पर मुफ्त उपलब्ध है।

विकास खण्ड पवांसा में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में सोमवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक खण्ड विकास अधिकारी अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड पवांसा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र भारद्वाज द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। सहायक विकास अधिकारी गौरव सागर ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष गौरव गुप्ता, प्रभारी प्रयत्न संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्डेन से गौरी शंकर चौधरी, शिक्षा विभाग से नेमपाल सिंह, पुलिस विभाग से देवेन्द्र कुमार (एस.आई), मुल्की सिंह सागर, प्रियंका राजपूत आदि उपस्थित रहे।

भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में चला 'सर्प दंश मृत्यु मुक्त भारत सांपों से बचाव की दी गई जानकारी

1000 छात्र-छात्राओं को सांपों से निपटने के सही तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित चंदौसी रोड पर भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में 'सर्प दंश मृत्यु मुक्त भारत' अभियान का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और उन्हें सांपों से निपटने के सही तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य सांप काटने से होने वाली मौतों को रोकना है, जो भारत में हर साल 50,000 से 60,000 लोगों की जान ले लेती हैं। कार्यक्रम में जाबुल स्नेक सेवर , अली वारिस और उनकी पूरी टीम ने छात्रों को बताया कि सांप को कभी मारने की कोशिश न करें, बल्कि उनसे उचित दूरी बनाकर रखें। जहरीले और गैर-जहरीले सांपों की पहचान, उनके व्यवहार और बचाव के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। जाबुल स्नैक सेवर ने बताया, "अब तक हमारी टीम ने 34 स्कूलों में यह अभियान सफलतापूर्वक चलाया है। हम इसे जारी रखेंगे और कोशिश करेंगे कि सांप काटने से होने वाली मौतों को पूरी तरह रोका जा सके।" यह अभियान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाया जा रहा है। टीम ने छात्रों को सलाह दी कि यदि कोई सांप काट ले, तो बिना किसी देरी के सीधे सरकारी अस्पताल पहुंचें और एंटी-वेनम लगवाएं। किसी भी प्रकार के बहकावे या घरेलू उपचारों में न पड़ें, क्योंकि इससे जान का खतरा बढ़ सकता है। स्कूल की प्रिंसिपल नेहा मलेय (मैडम) और समस्त स्कूल स्टाफ ने अभियान की सराहना करते हुए कहा, टीम ने बच्चों को बहुत उपयोगी और व्यावहारिक जानकारी दी। यह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जाबुल स्नैक सेवर और उनकी पूरी टीम तथा मीडिया से आए हुए अफसर अली का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। प्रिंसिपल ने उम्मीद जताई कि इस तरह के कार्यक्रम स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनें, ताकि बच्चे सुरक्षित रहें। इसी के साथ जाबुल और उनकी टीम तथा पत्रकार अफसर अली को स्कूल के समस्त स्टाफ के द्वारा सम्मानित भी किया गया । यह अभियान न केवल छात्रों बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां सांपों से जुड़ी घटनाएं आम हैं। टीम ने घोषणा की कि वे आने वाले दिनों में जनपद के अन्य स्कूलों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

इनर व्हील क्लब अमरोहा ने शहर में की मेगा ब्रांडिंग, स्कूल को बनाया हैप्पी स्कूल

अमरोहा (सब का सपना):- इनर व्हील क्लब अमरोहा ने सोमवार शहर में इनर व्हील ब्रांडिंग का एक भव्य मेगा प्रोजेक्ट आयोजित किया। जोया रोड के सबसे व्यस्त स्थानों पर क्लब का विशाल लोगो, स्लोगन सहित पूरी दीवार पर पेंट करवाया गया। साथ ही एक बड़ी फ्लेक्सी और सड़क के खंभों पर इनर व्हील होर्डिंग्स लगाए गए।ह्यहैप्पी स्कूल प्रोजेक्टह्न के तहत नारायणी देवी सरस्वती शिशू मंदिर स्कूल को हैप्पी स्कूल घोषित किया गया। स्कूल में इनर व्हील क्लब का शिलाकरण किया गया और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। स्कूल को 2 बड़ी बेंच, 40 बेंच-डेस्क, 102 बच्चों के लिए स्वेटर, लाइब्रेरी के लिए किताबें, खेल सामग्री, दरिया आदि उपहार स्वरूप दिए गए। महिला साक्षरता के लिए पेंटिंग और स्लोगन भी लिखवाए गए।स्कूल परिसर में बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें आंखें, दांत आदि की जांच की गई। इस दौरान घरेलू हिंसा पर एक प्रभावशाली नाटिका भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मंडलाध्यक्ष शालिनी गुप्ता एवं एसोसिएशन ट्रेजरर विशाल प्रिया टंडन की उपस्थिति रही। क्लब की मैगजीन अपनत्व का विमोचन भी किया गया। डीसी विजिट के दौरान सभी एक्जीक्यूटिव सदस्यों के कार्यों की समीक्षा की गई।कार्यक्रम में मंजू गोयल, निधि माहेश्वरी, दीपाली, लता जैन, कुसुम पैसल, डॉ सीमा, डॉ हर्षिता, डॉ प्रीति बादल, सीमा जैन, सीमा सिंह, निरुपमा जैन, रीना, शेफाली शर्मा, अंजुला अग्रवाल, सुप्रिया खुराना, टीना, अनामिका, सौम्या, स्वाति, इंदू अग्रवाल, नीतू डावर, अंशू गर्ग, आशा मित्तल आदि सदस्य उपस्थित रहीं।क्लब सचिव डॉ सीमा ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की, जबकि क्लब सचिव शर्मिला गुप्ता ने प्रोजेक्ट पर विस्तृत चर्चा की।

पूर्व पंचायत सचिव योगेश कुमार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की खूब हो रही तारीफ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जमना खास इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। वर्तमान में पंचायत सचिव द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के साथ ही पूर्व पंचायत सचिव योगेश कुमार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की भी खूब तारीफ हो रही है। योगेश कुमार के कार्यकाल को ग्राम पंचायत का स्वर्णिम काल माना जा रहा है, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य हुए। योगेश कुमार के नेतृत्व में ग्राम पंचायत में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पक्की गलियां, स्ट्रीट लाइट, पेयजल व्यवस्था और शौचालय निर्माण जैसे कार्यों पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत परिसर में एक सुंदर और आधुनिक सचिवालय भवन का निर्माण किया गया, जिसमें सभी कार्यालय सुविधाएं उपलब्ध हैं। एक आकर्षक पुस्तकालय भी बनाया गया, जहां ग्रामीणों को पढ़ने-लिखने का अवसर मिल रहा है। राशन की दुकान को भी व्यवस्थित और आधुनिक बनाया गया, जिससे गरीब परिवारों को सुगमता से लाभ मिल रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि योगेश कुमार ने न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही का भी उदाहरण पेश किया। वर्तमान सचिव भी उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। स्थानीय लोग योगेश कुमार के योगदान को याद करते हुए कहते हैं कि उनकी मेहनत और समर्पण से ही आज जमना खास एक आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में उभर कर सामने आया है।

कोहरे में दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने को पुलिस का विशेष जागरूकता अभियान

यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके:- अभिताभ चतुवेर्दी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सर्दी के मौसम में बढ़ते कोहरे और घटती दृश्यता के चलते सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में इजाफा होने की आशंका को देखते हुए संभल पुलिस ने सक्रियता दिखाई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य वाहन चालकों और आम जनता को यातायात नियमों के प्रति सजग करना है। अभियान के तहत एआरटीओ अभिताभ चतुवेर्दी, यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान और यातायात पुलिस की टीम ने हमराही जवानों के साथ मिलकर बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान स्कूल के बच्चों को विशेष रूप से संबोधित करते हुए यातायात सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। वाहन चालकों को कोहरे में रिफ्लेक्टर टेप लगाने के फायदे बताए गए, जिससे वाहन दूर से ही दिखाई दे जाते हैं और हादसे की संभावना काफी कम हो जाती है। पुलिस टीम ने लोगों को सलाह दी कि सर्दियों में कम दृश्यता के कारण सावधानी बरतना जरूरी है। अभियान के दौरान कई वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए और हेलमेट पहनने के लिए चालकों को प्रेरित किया गया। जागरूकता सत्र में भाग लेने वाले वाहन चालकों ने इस पहल की खूब सराहना की और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने का संकल्प लिया। एआरटीओ अभिताभ चतुवेर्दी ने बताया, जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार यह अभियान चलाया जा रहा है। कोहरे के मौसम में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रिफ्लेक्टर टेप लगाना अनिवार्य जैसा है। हम हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे अभियान निरंतर चलाए जाएंगे ताकि सड़कें सुरक्षित रहें।

जिले में राष्ट्रीय आविष्कार विज्ञान उत्सव: तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा क्षेत्र के ब्लॉक संसाधन केंद्र याहियापुर और नगर केंद्र अमरोहा के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय विज्ञान आविष्कार उत्सव के अंतर्गत एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। यह विज्ञान कार्यशाला तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद में आयोजित की गई, जिसमें ब्लॉक के जूनियर स्तर के बच्चों ने हिस्सा लिया। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार ओर ब्लॉक के एआरपी उपस्थित रहे। बच्चों को यूनिवर्सिटी पहुंचने के बाद विज्ञान कार्यशाला में जीव विज्ञान प्रयोगशाला, भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन प्रयोगशाला और अन्य मशीनरी लैब का दौरा कराया गया। यहां बच्चों ने विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों और प्रयोगों को करीब से देखा और समझा। विजित प्रतियोगिता में जूनियर स्तर के छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान कार्यशाला, खेल-कूद और ऑडिटोरियम में देखा। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों और अधिकारियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाते हैं। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के प्रबंधन ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। यह कार्यक्रम शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में अमरोहा जिले के लिए गर्व का विषय बना।

सर सैय्यद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन, तीन केंद्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा

परीक्षा केंद्रों पर केंद्र प्रभारी, कोऑर्डिनेटर, रिलीवर और इनविजिलेटर सहित पूरा स्टाफ रहा उपस्थित

सम्भल(सब का सपना):- अल अमीन एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में सर सैय्यद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन जनपद सम्भल में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। दिसंबर माह में आयोजित इस प्रतियोगिता ने कम समय की सूचना के बावजूद उत्कृष्ट व्यवस्था का प्रदर्शन किया। परीक्षा सम्भल शहर और उपनगरी सरायतरीन में कुल तीन परीक्षा केंद्रों पर सुचारु रूप से चली, जहां अनुशासन और पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में सामान्य ज्ञान की रुचि जगाना और सर सैय्यद अहमद खान के विचारों को प्रेरणा बनाना रहा। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। परीक्षा केंद्रों पर केंद्र प्रभारी, कोऑर्डिनेटर, रिलीवर और इनविजिलेटर सहित पूरा स्टाफ समय पर उपस्थित रहा, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। सभी केंद्रों पर स्टाफ के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई थी। परीक्षा केंद्रों का विवरण,अल बशीर जूनियर हाई स्कूल, सराय तरीन, केंद्र व्यवस्थापक - इम्तियाज,बरकाती आजाद गर्ल्स कॉलेज, सम्भल: केंद्र व्यवस्थापक - तज्वर परवीन एजीएम जूनियर हाई स्कूल, सिरसी: केंद्र व्यवस्थापक - अजीम कुरैशी कम्पिटीशन कंट्रोलर मुहम्मद शारिक जीलानी ने बताया, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। बहुत शॉर्ट नोटिस के बावजूद सभी केंद्रों पर उत्कृष्ट सहयोग मिला, जिसके लिए हम सभी शिक्षण संस्थानों और स्टाफ के आभारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही और प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कम्पिटीशन चेयरमैन एवं इंचार्ज डॉ. शहजाद अहमद ने जानकारी देते हुए कहा, सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में लगे स्टाफ के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से किया। यह आयोजन न केवल शैक्षिक बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। सोसाइटी के अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सम्मानित साथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा, सभी के सहयोग से यह प्रतियोगिता शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न हुई। हम आगामी वर्षों में और भी बड़े स्तर पर ऐसे आयोजन करेंगे। इस अवसर पर आयोजन में डॉ. शहजाद अहमद, तज्वर परवीन, सुहैबा हबीब, हसीन अख्तर, वाइज खान, साबिहा खातून, हुदा खान, इसरा कुरैशी, जैबा परवीन, इमराना परवीन, चांदनी खानम, समरीन, अफसाना, सैफी, शुमायला परवीन, बुशरा बी, तहरीम, फात्मा, अफ़्शा परवीन, सुहैल राशिद, नदीम, जैदी, मोबीन, शावेज खान, फतह, अजीम कुरैशी, अहमद अयाज, शारिक जीलानी, इम्तियाज बरकाती, शफीक उर रहमान बरकाती, शुऐब राईन, रिमशा, बेनजीर, अंजली, फैजी, अलिशा, साकिब कुरैशी, ज़िया उर बरकाती आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

परिवहन विभाग का सख्त अभियान: 5 बसें सीज, 8 वाहनों पर चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में जिलाधिकारी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने आज अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश शर्मा ने किया। दो टीमों का गठन किया गया, जिसमें पहली टीम का नेतृत्व स्वयं महेश शर्मा ने और दूसरी टीम का नेतृत्व पीटीओ सुधीर सिंह ने किया।अभियान ब्रजघाट बॉर्डर से हसनपुर रोड, जोया टोल प्लाजा से मुरादाबाद बॉर्डर तक नेशनल हाईवे पर चलाया गया। सोमवार के विशेष अभियान में कुल 5 अनाधिकृत बसों को अवैध संचालन के लिए सीज किया गया और चालान काटा गया। इन बसों को गजरौला और अमरोहा रोडवेज बस स्टैंड में सुरक्षित रखा गया।इसके अलावा कोहरे के मौसम को देखते हुए वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगे होने के नियम का भी सख्ती से पालन कराया गया। इस दौरान 8 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई और चालान जारी किए गए।कार्रवाई के दौरान कुछ चालकों ने तेज रफ्तार से वाहन भागाने की कोशिश की, तो कुछ ने हाईवे से हटकर संकरे रास्तों पर जाने की कोशिश की। लेकिन टीम की सतर्कता और सूझबूझ के कारण सभी वाहन रोके गए।इस अभियान से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

अगस्ता वेस्टलैंड केस में मिली जमानत की शर्तों में क्रिश्चियन मिशेल को चाहिए बदलाव, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर सौदे से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत शर्तों में संशोधन को लेकर राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत इस याचिका पर 23 दिसंबर को फैसला सुना सकती है। क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ने सीबीआई द्वारा दर्ज अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर मामले में अपनी जमानत की शर्तों में बदलाव के लिए आवेदन दाखिल किया था, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित रखा। गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार को अदालत ने इसी मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की रिहाई के आदेश दिए थे। अब सीबीआई केस में जमानत शर्तों को लेकर अदालत के आगामी आदेश पर नजरें टिकी हैं।

कॉन्स्टेबल के अदम्य साहस की सराहना, समय रहते बचाई कई जिंदगियां; दिल्ली में टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली। दिल्ली में द्वारका जिले के मोहन गार्डन इलाके में दिल्ली पुलिस के एक जवान की बहादुरी ने बड़ी घटना होने से रोक ली। 20 दिसंबर की रात करीब 09:39 बजे एक चार मंजिला इमारत में गैस सिलिंडर फटने और आग लगने की सूचना मिली। फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही बीट पर तैनात कॉन्स्टेबल अनिल मौके पर पहुंच गए। इमारत में 16 परिवार रह रहे थे और तुरंत निकासी संभव नहीं थी। अपनी जान की परवाह न करते हुए, कॉन्स्टेबल अनिल ने अदम्य साहस का परिचय दिया और धधकते हुए सिलिंडर को अकेले ही रसोई से बाहर खींच निकाला और आग बुझाई। डीसीपी अंकित सिंह ने इस साहसी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि कॉन्स्टेबल अनिल की त्वरित कार्रवाई ने कई जिंदगियां बचाईं। यह दिल्ली पुलिस के सेवा और साहस के आदर्श वाक्य का जीता-जागता उदाहरण है। हमें अपने जवान की निर्भीकता पर गर्व है।

1984 सिख विरोधी दंगा: सज्जन कुमार के मामले में कोर्ट का फैसला सुरक्षित, 22 जनवरी को आएगा फैसला

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को 1984 सिख विरोधी दंगे (1984) से जुड़े एक मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार मुख्य आरोपी हैं। अब कोर्ट इस पर 22 जनवरी को फैसला सुनाएगा। बता दें कि यह मामला इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए दंगों के दौरान जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुई हिंसा और हत्याओं से संबंधित है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इसे लेकर दो एफआईआर दर्ज हुई थीं, पहली शिकायत 1 नवंबर, 1984 को दो लोगों, सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी और दूसरी एफआईआर गुरचरण सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिसमें कथित तौर पर 2 नवंबर, 1984 को विकासपुरी में आग लगा दी गई थी।

घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु डीएम ने जारी किए दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अवगत कराया कि वर्तमान समय में पूरे जनपद में घने कोहरे का प्रकोप जारी है. जिसके कारण प्रायः सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। अभी हाल ही में यमुना एक्सप्रेस-वे पर 16 फरवरी 2025 को घने कोहरे के कारण जनपद मथुरा में भीषण दुघर्टना हुई थी। इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और जनहित में वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती निधि गुप्ता वत्स द्वारा संबंधित विभागों को निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए हैं। इस ऋतु में सड़क पर दृश्यता कम होने को कारण घटित होने वाली दुर्घटताओं की रोकथाम हेतु सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं के सहयोग से विभिन्न तरह के उपायों से जनहित में एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के समस्त टोल प्लाजाओं पर वाहन चालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पी०ए० सिस्टम द्वारा ऑडियो संदेश के माध्यम व कोहरे एवं रात्रि में धीमी गति से वाहन चलाने के लिए प्रेरित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें। अपनी लेन में चलें ओवरटेकिंग न करें। वाहन की लाइट लो बीम पर करें। दृश्यता अत्यधिक कम होने की स्थिति में लेन मार्किंग (सफेद पट्टी) के सहारे वाहन चलाये। फॉग लाइट तथा डी-फॉगर का प्रयोग करें। वाहन मोड़ने के पूर्व से ही दाँया बाँया इण्डिकेटर का प्रयोग करें। व्यवसायिक वाहनों ट्रैक्टर, ट्राली में मानक के अनुरूप रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया जाये। आपातकाल की स्थिति में 112 एवं 108 टोल फ्री नम्बर पर सम्पर्क करें। एक वाहन से दूसरे वाहन के मध्य उचित दूरी रखते हुए वाहन चलाये। वाहन को पार्किंग चिन्हित स्थल के अतिरिक्त अन्य कहीं पर न रोकें। नींद, थकान एवं नशे की हालत में वाहन न चलायें। कोहरे की स्थिति में वाहन का म्यूजिक बन्द रखें तथा मोबाईल/एयरफोन का प्रयोग कदापि न करें ताकि अन्य वाहनों का हॉर्न सुनाई दे

सकें। जनपदीय मुख्य अग्निशमन अधिकारी से समन्वय कर एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित थानों पर फायर टेण्डर की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाये। चिकित्सा विभाग/ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सम्बन्धित मार्ग निर्माण एजेन्सी से समन्वय कर एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर पर्याप्त संख्या में एम्बुलेन्स व मेडिकल टीम का समुचित व्यवस्थापन कराया जाया एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के समीपवर्ती चिकित्सालयों के प्रभारियों/प्रबन्धकों से समन्वय स्थापित कर दुर्घटना में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाये। सड़क निर्माण एजेन्सियों/विकास प्राधिकरण/नगर निगम नगर पालिका परिषद से समन्वय स्थापित कर मार्गो पर बनाये गये रोड मार्किंग को स्पष्ट एवं ठीक कराया जाये। एक्सप्रेस-वे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर खराब वाहनों/दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को तत्काल हटाये जाने हेतु सम्बन्धित सड़क निर्माण एजेन्सी की एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध क्रेनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। टोल प्लाजा पर प्रर्वतन टीम के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाये। ए०आर० टी०ओ० प्रवर्तन, परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर अवैध बसों (तकनीकी रूप से संचालन योग्य न हो) के विरूद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जाये। एक्सप्रेस-वे एवं 'राष्ट्रीय राजमार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सम्बन्धित मार्ग निर्माण एजेन्सी. एवं पुलिस विभाग के वाहनों द्वारा सतत पैट्रोलिंग सुनिश्चित की जाये। बस/ट्रक टैक्सी एवं टूर ऑपरेटर एसोसिएशन के अधिकारियों की बैठक कर उन्हें कोहरे कम दृश्यता की स्थिति में वाहन संचालन के सम्बन्ध में वाहन चालकों को ब्रीफ किये जाने हेतु बताया जाये। राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें कोहरे कम दृश्यता की स्थिति में वाहन संचालन के सम्बन्ध में वाहन चालकों को ब्रीफ किया जाये। मार्गों पर कोहरे के कारण दृश्यता कम होने की स्थिति में वाहनों को यथासम्भव सुरक्षित स्थान पर रोक दिया जाये तथा इन्हें काफिले के रूप में आगे बढ़ाया जाये। वाहन के दुर्घटनाग्रस्त/खराब होने की स्थिति में हैजर्ड लाईट (चारो इण्डिकेटर) ऑन कर दें एवं वाहन से सुरक्षित दूरी पर ब्रेक डाउन का चिन्ह स्थापित किया जाय। कोहरे में हॉर्न का उपयोग करते रहें ताकि आपके वाहन की जानकारी अन्य को हो सके। चलते हुये वाहनों में हैजर्ड लाईट (चारो इण्डिकेटर) न चलायें, जिससे अन्य वाहनों को कन्पयुजन न हो कि वाहन खड़ा है या चल रहा है। मार्गों के किनारे स्थित होटल/दाबा/रेस्टोरेन्ट मालिकों की बैठक कर उन्हें निर्देशित किया जाये कि मार्ग के किनारे कोई भी वाहन किसी भी दशा में पार्क न किया जाय। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उपरोक्त दिशा-निदेशों का अक्षरशः प्रभावी अनुपालन करना/कराना सुनिश्चित करें।

जिले में प्राथमिक शिक्षकों को चयन वेतनमान की स्वीकृति

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्राथमिक स्तर के सहायक अध्यापकों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत चयन वेतनमान (10 वर्ष पूर्ण होने पर) की स्वीकृति प्रदान कर दी है।विकास खण्ड अमरोहा के 34, गजरौला के 65 तथा गंगेश्वरी के 59 अध्यापकों की सूची प्राप्त होने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा चयन वेतनमान की स्वीकृति दी गई है। विकास खण्ड जोया, हसनपुर एवं

धनौरा के अध्यापकों की सूची आज शाम तक प्राप्त कराने हेतु संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सूची प्राप्त होने के बाद परीक्षणोपरान्त शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दिसम्बर 2025 का वेतन सभी पात्र अध्यापकों को चयन वेतनमान के साथ ही दिया जाएगा।इसके अतिरिक्त, HT Primary/AT Junior केडर के अध्यापकों की सूची तैयार करने हेतु एनआईसी द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 02 दिवस के भीतर HT Primary/AT Junior की सूची तैयार कर कार्यालय को उपलब्ध कराएं।इस पहल से जिले के हजारों प्राथमिक शिक्षकों को लंबे समय से प्रतीक्षित चयन वेतनमान का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

गाजियाबाद में शीतलहर से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी, विशेष सावधानी बरतने की सलाह

गाजियाबाद। शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए विभागवार दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में प्रशासन की ओर से पशुपालकों के लिए पशुओं को ठंड़ से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें आमजन के साथ-साथ पशुपालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। आमजन के लिए जारी एडवाइजरी में बताया गया कि पर्याप्त सर्दियों के कपड़े पहनें तथा शरीर को गर्म रखने के लिए कपड़ों की कई परतें उपयोग करें। आपात स्थिति के लिए जरूरी सामान रखें। शीतलहर के दौरान फ्लू, नाक बहना, नाक बंद होना अथवा नाक से खून आने जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं, ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई है। पशुपालक पशुओं के आहार पर विशेष ध्यान दें। ठंड के मौसम में तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से पशुओं की प्रजनन दर भी प्रभावित हो सकती है। शीतलहरी के दौरान पशुओं के आवास को चारों ओर से ढककर ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क से बचाएं। पशुओं एवं मुर्गियों को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े या अन्य सुरक्षित साधनों से ढकने की व्यवस्था करें। पशुधन के आहार में सुधार करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले चारे एवं वसायुक्त खुराक दें। खुले स्थानों में न बांधें और न ही उन्हें खुले में घूमने दें। पशु मेलों में ले जाने से बचें। ठंडा चारा और ठंडा पानी देने से परहेज करें। मृत पशुओं के शवों को चराई मार्गों या खुले स्थानों पर न फेंकें। एडीएम वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट ने अपील करते हुए कहा कि जारी एडवाइजरी का पालन करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्थानीय नगर निकायों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में कर करेत्तर / न्यायालय राजस्व, चकबंदी वाद एवं चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा आदि राजस्व संबंधी सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा एवं स्थानीय नगर निकायों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम सीएम डैशबोर्ड पर स्टाम्प निबंधन, आबकारी,वाहन कर वानिकी, खनन ,जीएसटी, विद्युत आदि के लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। व्यापार कर की आर सी वसूली,स्टाम्प देय,खनन आदि की आरसी वसूली को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा खनन निरीक्षक को निर्देशित करते हुये कहा कि 5 साल एवं उससे पूर्व के नोटिस को चेक करते हुए आरसी वसूली सुनिश्चित की जाए। एमओयू मॉनिटरिंग, जीबीसी, डिजि शक्ति, मंडी आय औषधि विक्रय लाईसेंस, धान खरीद योजना, गन्ना पर्ची वितरण, अमृत 2 , प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, पीएम स्वनिधि योजना, सम्पत्ति नामांतरण, ट्रेड सर्टिफिकेट जारी

करना, इ- खसरा, एंटी भूमाफिया, कुर्रा बटवारा, नामांतरण (धारा-116), पैमाइश (धारा 24) को लेकर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पीएम स्वनिधि योजना को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठक से पूर्व नगर पालिकाओं में मासिक रुप से बैंकों द्वारा कैम्प लगाए जाएं। प्रवर्तन कार्यों को लेकर समीक्षा की गयी। जीएसटी विभाग से भट्टों को लेकर दिशा निर्देशित किया। परिवहन विभाग से ओवरलोड वाहनों को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी। गन्ना तौल कांटे के सत्यापन को लेकर संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। चकबंदी की समीक्षा करते हुए धारा 9,चक निर्माण, आपत्तियों के निस्तारण, कब्जा परिवर्तन, धारा 27 के प्रारुप पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नगर निकाय की समीक्षा करते हुए प्लास्टिक पॉलिथीन के प्रयोग पर रोक को लेकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। ऑडिट आपत्ति , वंदन योजना, 13 वां/ 14 वां / 15वां वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय वितरण पर चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जीआईएसआई सर्वे को लेकर भी चर्चा की गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, डिप्टी कलक्टर नीतू रानी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार ने परिवहन विभाग का बजट 60 प्रतिशत बढ़ाकर 9,110 करोड़ रुपये किया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली मेट्रो के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए 2025-26 में परिवहन विभाग का बजट लगभग 60 प्रतिशत बढ़ाकर 9,110 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो विस्तार के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं ताकि जारी परियोजनाएं बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पिछली सरकारों द्वारा लंबित छोड़ी गई मेट्रो परियोजनाओं से संबंधित बकाया देनदारियों का भी भुगतान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के लिए आवंटन 2024-25 में 5,702 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 9,110 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि मेट्रो परियोजनाओं के लिए आवंटन पिछले वर्ष के लगभग 500 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,929 करोड़ रुपये हो गया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की, ग्राइंडर से काटे शव के टुकड़े

पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को किया गिरफ्तार हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद

संभल(सब का सपना):- जिले के चंदौसी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जो हाल ही में मेरठ में हुए सौरभ राजपूत हत्याकांड की याद ताजा कराती है। यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को ग्राइंडर से काटकर टुकड़े-टुकड़े कर अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में मृतक राहुल की पत्नी रूबी और उसके प्रेमी गौरव को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हथियारों और ग्राइंडर मशीन को भी बरामद कर लिया है। पुलिस जांच के अनुसार, राहुल चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी में अपनी पत्नी रूबी और दो बच्चों के साथ रहता था। रूबी का पड़ोस में रहने वाले गौरव के साथ काफी समय से अवैध संबंध थे। दोनों के शारीरिक संबंध भी थे। 18 नवंबर की रात राहुल ने घर में रूबी और गौरव को आपत्तिजनक हालत में रंगे हाथों पकड़ लिया। गुस्साए राहुल ने दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी और पूरे मोहल्ले में बदनामी करने की धमकी दी। इसी बात पर रूबी ने गौरव से कहा कि इसका खात्मा कर दो। इसके बाद गौरव ने लोहे की रॉड और रूबी ने जूता ठोकने वाले लोहे के हथौड़े से राहुल के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के अगले दिन दोनों ने घंटाघर मार्केट

से पॉलिथीन, दो बैग और शव काटने के लिए ग्राइंडर खरीदा। घर में ही उन्होंने राहुल की लाश की गर्दन और पैर काटे। सिर-पैर वाले हिस्से को एक बैग में और धड़ को दूसरे बैग में पैक कर अलग-अलग जगह फेंक दिया। एक बैग को राजघाट गंगा में बहा दिया, जबकि धड़ वाला बैग पतरौआ रोड पर ईदगाह के पास नाले में फेंका। खून से सने कपड़े जलाए और हथियार छिपाए 15 दिसंबर को पतरौआ रोड नाले में पॉलिथीन में लिपटा धड़ मिला। कटे हुए हिस्से में टैटू से पहचान हुई कि यह राहुल का शव है। जांच में पता चला कि रूबी ने ही 18 नवंबर को पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके बयानों में विरोधाभास मिला, जिसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने सब कबूल कर लिया। पुलिस ने गौरव को सैनिक चौराहे से गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर हथियार और ग्राइंडर बरामद हुए। शव के बाकी हिस्से की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि मामला तरमीम कर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच प्रभारी निरीक्षक चंदौसी कर रहे हैं। इलाके में इस वारदात से दहशत का माहौल है। यह मामला रिश्तों में विश्वासघात और क्रूरता की हद पार करने का जीता-जागता उदाहरण है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

रेलवे द्वारा खोदी जा रही खंदी से बंद हुआ रास्ता कॉलोनी वासियों ने डीएम से की शिकायत

जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर दिए तत्काल निस्तारण के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद बहजोई रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन के किनारे रेलवे द्वारा खोदी जा रही खंदी के कारण नजदीकी कॉलोनी का मुख्य रास्ता बंद हो जाने से क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी हो रही थी। इस समस्या को लेकर कॉलोनी निवासियों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया के समक्ष रखी। शिकायत मिलते ही जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे और राजस्व विभाग के कर्मचारियों को मौके पर पहुंचकर पैमाइश करने के सख्त निर्देश दिए। डीएम ने उपस्थित कॉलोनी निवासियों एवं अन्य लोगों से विस्तार से वार्ता की और रास्ते से जुड़ी समस्या का तत्काल निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, रेलवे के संबंधित कर्मचारी, राजस्व विभाग के अधिकारी तथा कॉलोनी के निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के इस सक्रिय हस्तक्षेप से कॉलोनी वासियों में राहत की लहर दौड़ गई और उन्होंने प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

कुरुक्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव ने रचा इतिहास, करीब 1 लाख खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, सीएम सैनी देंगे पुरस्कार

कुरुक्षेत्र : सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में हुए सांसद खेल महोत्सव ने इस बार बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। आयोजकों के अनुसार महोत्सव की वेबसाइट पर 3 लाख 30 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया और करीब एक लाख खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में सक्रीय तौर पर भाग लिया। इस आयोजन का समापन समारोह आज कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य स्टेडियम में होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर विजेताओं को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद नवीन जिंदल करेंगे।

14 खेल, 35 जगहों पर हुए मुकाबले

महोत्सव में 14 खेलों की प्रतियोगिताएं कराई गईं। इनमें एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो, रस्सीकूद, रस्साकशी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, तीरंदाजी, खो-खो, हॉकी, निशानेबाजी और बॉडी बिल्डिंग शामिल हैं। मुकाबले कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की 35 जगहों पर हुए, ताकि गांव और शहर दोनों के खिलाड़ियों को पास में ही खेलने का मौका मिल सके।तीन चरणों में

आयोजन

आयोजन तीन चरणों में किया गया। पहले चरण में 33 ब्लॉकों में मुकाबले हुए। दूसरे चरण में 9 विधानसभा क्षेत्रों में प्रतियोगिताएं कराई गईं। तीसरे चरण में लोकसभा स्तर के मुकाबले हुए। इससे गांव से शहर तक के खिलाड़ियों को बराबर मौका मिला।1000 से ज्यादा विजेताओं को 2 करोड़ से अधिक इनाम

आयोजकों का कहना है कि पूरे महोत्सव में 1000 से ज्यादा विजेता खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपये से अधिक की नकद इनामी राशि दी जा रही है। इससे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा और प्रतियोगिताओं में अच्छा स्तर देखने को मिला।

पोलो मैच बना खास आकर्षण

महोत्सव में एक पोलो एग्जिबिशन मैच भी कराया गया, जिसमें सांसद नवीन जिंदल खुद मैदान में उतरे। सांसद जिंदल ने युवाओं से कहा कि खेल हमें अनुशासन सिखाते हैं, फिट रखते हैं और जीवन में आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।नशे के खिलाफ भी संदेश इस खेल महोत्सव को नशामुक्त कुरुक्षेत्र के संदेश से भी जोड़ा गया। उद्देश्य था कि युवा नशे से दूर रहें और खेल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। आज होने वाले समापन समारोह को लेकर स्टेडियम में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों के पहुंचने की उम्मीद है।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा: जेल विभाग ने लिया बड़ा फैसला, सजा काट रही महिला कैदियों को दी राहत

हरियाणा : हरियाणा की जेलों में बंद महिलाओं के लिए राहत की खबर आई है। अब उनके छोटे बच्चे 6 साल के बजाय 8 साल की उम्र तक अपनी मां के साथ जेल में रह सकेंगे। जिससे बच्चों के पालन-पोषण, मानसिक विकास और देखभाल में निरंतरता बनी रहेगी। जेल के डीजी ने बताया कि मां-बच्चे को अलग करने से दोनों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह मानवीय फैसला लिया गया है। बताया जा रहा है कि जेल विभाग इन बच्चों के लिए जेल परिसर में ही पढ़ाई, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य जांच और खेलकूद की व्यवस्था कर रहा है। वहीं प्रदेश की 17 जेलों में बच्चों के लिए क्रैच बनाए गए हैं। हरियाणा की 20 जेलों में से 17 जेलों में महिला वॉर्ड स्थापित हैं।

CSIR-UGC NET एग्जाम के नाम पर ठगी, सीएम फ्लाइंग ने किया भंडाफोड़, 2 आरोपी गिरफ्तार

गोहाना : सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा को लेकर पेपर लीक का झांसा देकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह का हरियाणा मुख्यमंत्री उड़नदस्ता ने भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई गोहाना क्षेत्र में की गई, जहां परीक्षा से एक दिन पहले दर्जनों अभ्यर्थियों को बुलाकर उनसे मोटी रकम वसूली जा रही थी। जानकारी के अनुसार, 18 दिसंबर को एनटीए द्वारा आयोजित सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा से पहले 17 दिसंबर की रात पानीपत रोड स्थित गांव चिढ़ाना की एक कबड्डी अकैडमी में 37 अभ्यर्थियों को बुलाया गया। इनमें 16 केमिस्ट्री और 21 लाइफ साइंस विषय के परीक्षार्थी शामिल थे। आरोप है कि यहां उन्हें प्रश्न पत्र दिखाकर परीक्षा लीक होने का भरोसा दिया गया। सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रोहतक की टीम ने तुरंत कार्रवाई की और सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज कराया। शिकायत उड़नदस्ता में तैनात सब इंस्पेक्टर करमबीर की ओर से दी गई। पुलिस ने मौके से नीरज और सचिन, दोनों निवासी गांव करोथा (रोहतक), को गिरफ्तार किया है।प्रश्न पत्र भी बरामद इनके अलावा धीरज, पवन और आशीष के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पेपर के ए और बी सेट के प्रश्न पत्र भी बरामद किए हैं। हालांकि, मौके पर मौजूद किसी भी अभ्यर्थी को आरोपी नहीं बनाया गया है। गोहाना के एसीपी राहुल देव ने स्पष्ट किया कि सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित थी और पेपर लीक नहीं हुआ था। यह पूरा मामला ठगी से जुड़ा है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है।

जुलाना में आरटीओ की बड़ी कार्रवाई, बिना कागजात चल रही 2 स्कूल बसें इंपाउंड

जुलाना : जुलाना और आसपास के गांवों में निजी स्कूलों की बसों की सुरक्षा व वैधता को लेकर विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन कर रही दो स्कूल बसों को इंपाउंड किया गया। दोनों बसें बिना आवश्यक कागजात के सड़कों पर दौड़ रही थीं, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर सन्नी ने बताया कि विभाग को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ निजी स्कूल बसें बिना नियमों का पालन किए संचालित की जा रही हैं। इसी के चलते विभागीय टीम ने पौली गांव के पास चेकिंग अभियान

चलाया। जांच के दौरान दो बसों को रोका गया, जिनके पास प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट और बीमा जैसे अनिवार्य दस्तावेज नहीं पाए गए। इसके अलावा बसों में सीसीटीवी कैमरे और प्राथमिक उपचार बॉक्स भी उपलब्ध नहीं थे, जो स्कूल बसों के लिए अनिवार्य हैं। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों बसों में महिला हेल्पर की व्यवस्था नहीं थी, जबकि नियमों के अनुसार बच्चों की सुरक्षा और देखरेख के लिए लेडी हेल्पर का होना जरूरी है।

ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर ने बताया कि इस तरह की लापरवाही बच्चों की जान के लिए खतरा बन सकती है और विभाग इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। सन्नी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। सभी निजी स्कूल संचालक अपने वाहनों के सभी कागजात पूर्ण रखें और सुरक्षा मानकों का पालन करें, अन्यथा कठोर कदम उठाए जाएंगे।

सोनीपत में लैब संचालक का बड़ा कारनामा, 10 साल की मासूम के जीवन से किया खिलवाड़

सोनीपत : अगर आप भी अपने और अपने परिजनों की किसी भी लैब से कोई जांच करवाई है तो आप सावधान हो जाओ, एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप दंग रह जाओगे। मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी कि उनकी दस वर्षीय बेटी ग्रोथ हार्मोन की कमी से पीड़ित है, जिसके उपचार के दौरान नियमित रूप से इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर (आईजीएफ) -1 जांच कराई जाती थी। यह जांच रिपोर्ट इलाज में अहम होती है। वह तीन-चार वर्ष से टीडीआई रोड स्थित लेबेक्स पैथोलॉजी लैब से डॉ.राजेश के पास अपनी बेटी के टेस्ट करा रहे थे। लैब का संचालक राजेश खुद को चिकित्सक बताता था, जिस कारण उस पर पूरा भरोसा हो गया था। उसी लैब से मिली रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सक इलाज करता रहा और दवाइयों की खुराक घटाता-बढ़ाता रहा। समय बीतने के बावजूद जब बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और उसके शरीर में अन्य समस्याएं उभरने लगीं तो उन्हें रिपोर्ट पर संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने उन्हीं जांच रिपोर्ट को एक प्रतिष्ठित निजी लैब में सत्यापन के लिए भेजा। जांच में पता लगा कि रिपोर्ट फर्जी थीं। शिकायतकर्ता के अनुसार कई वर्ष से उनकी बेटी का इलाज जाली मेडिकल रिपोर्टों के आधार पर किया जा रहा था, जिससे उसके स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा। इस खुलासे के बाद पीड़ित पिता ने कुंडली थाना पुलिस को शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं थाना कुंडली प्रभारी इंस्पेक्टर सेठी मलिक ने बताया कि टीडीआई के रहने वाले एक शख़्स ने बताया कि टीडीआई रोड पर स्थित एक पैथ लैब में उसने अपनी बेटी का टेस्ट कराया था और लैब संचालक राजेश ने उसकी फर्जी रिपोर्ट्स तैयार करके उसकी बेटी का फर्जी तरीके से इलाज किया गया जिसके चलते उसकी बेटी की जान भी जा सकती थी और उसके बाद उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

अम्बाला: बिजली चोरी करने वालों की अब खैर नहीं, विभाग ने 241 लोगों पर दर्ज कराई एफआईआर

अंबाला : अंबाला में बिजली चोरी करने वालों पर विभाग की सख्त कार्रवाई देखने को मिल रही है, अब तक विभाग ने 241 ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज करवाई है जिन्होंने बिजली चोरी की है। दरअसल लोग अपना बिजली का बिल बचाने के लिए बिजली चोरी करते हैं जिसकी वजह से एक तरफ विभाग को परेशानी होती है। इस बारे में जानकारी देते हुए अंबाला छावनी बिजली विभाग के एठ ने बताया कि अंबाला छावनी में अप्रैल महीने से नवंबर तक बिजली चोरी पर विशेष अभियान चलाया गया है जिसमें लगभग 3000 से ज्यादा कनेक्शन को चेक किया

गया था, जिनमें से 241 ऐसे लोग सामने आए जो बिजली चोरी करते हुए पाए गए थे।

इन 241 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ऐसी बिजली चोरी करने वाले लोगों पर विभाग लगातार शिकंजा कस रहा है और आगे भी कस्ता रहेगा। वहीं पहली बार अगर कोई बिजली चोरी करता पकड़ा जाता है तो उसके ऊपर जुमार्ना किया जाता है और अगर दोबारा वह पकड़ा जाता है तो उसके ऊपर यह कानूनी कार्रवाई की जाती है। अगर इसके बावजूद वह व्यक्ति बिजली चोरी करते हुए पकड़ा जाता है तो बिजली विभाग चाहे तो उसका बिजली का कनेक्शन बंद कर सकती है।

पुलिस ने ध्वस्त किया हिस्ट्रीशीटर अपराधी का साम्राज्य

गुड़गांव, (ब्यूरो): गुड़गांव पुलिस ने अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए एक बार फिर कार्रवाई की है। पुलिस ने जेसीबी की मदद से एक अपराधी के साम्राज्य को ध्वस्त कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस ने आज भोंडसी क्षेत्र के गांव अलीपुर में निवासी नरेन्द्र उर्फ सोनू राठी (39 वर्ष) की संपत्ति पर की है। पुलिस के मुतबिक, आरोपी नरेन्द्र उर्फ सोनू राठी का आपराधिक इतिहास वर्ष-2011 से लगातार सामने आता रहा है। आरोपी का गांव अलीपुर निवासी अशोक राठी के साथ लंबे समय से आपराधिक रंजिश, गैंगवार, पैसों के लेन-देन एवं वर्चस्व को लेकर गंभीर विवाद चला आ रहा था। इसी रंजिश के चलते 16 नवंबर 2019 को गांव अलीपुर में अशोक राठी की उसके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसका केस थाना भोंडसी में दर्ज है। यह मामला अभी अदालत में विचाराधीन है। पुलिस के मुताबिक, अशोक राठी की हत्या के पश्चात आरोपी नरेन्द्र उर्फ सोनू राठी ने अपने साथियों सलीम, रोहित उर्फ बॉबी आदि के साथ मिलकर एक संगठित आपराधिक गिरोह का संचालन किया। आरोपी पर अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त, रंगदारी/फिरौती, अपहरण एवं अपहरण का प्रयास, हत्या व हत्या का प्रयास, पुलिस पार्टी पर हमला, अवैध कब्जा एवं फायरिंग जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में 19 केस दर्ज हैं। अपराधी की आर्थिक रूप से कमर तोड़ने के लिए पुलिस ने आज जेसीबी की मदद से उसकी प्रॉपर्टी को ध्वस्त कर दिया।

हरियाणा के इस जिले में सरकारी दफ्तरों का बदला समय

गुरुग्राम : दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण का स्तर लगातार चिंताजनक बना हुआ है। ग्रेप-4 की पाबंदियों के बावजूद प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। इसी को देखते हुए रविवार को एक अहम फैसला लिया है। उन्होंने सभी निजी दफ्तरों को वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह दी है। इसके साथ ही गुरुग्राम जिला प्रशासन ने सरकारी दफ्तरों के आने-जाने के समय में भी बदलाव किया गया। गुरुग्राम के डिप्टी कमिश्नर ने एडवाईजरी जारी की है। इसमें उन्होंने सभी निजी दफ्तरों से कहा है कि जब तक हवा की गुणवत्ता सुधर नहीं जाती, तब तक वे अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की सुविधा दें। इसके अलावा गुरुग्राम जिला प्रशासन ने राज्य सरकार और नगर निगमों के सभी सरकारी दफ्तरों के समय में भी बदलाव किया है। अब गुरुग्राम के सभी राज्य सरकारी दफ्तर सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुलेंगे। वहीं, नगर निगम गुरुग्राम और नगर निगम मानेसर के दफ्तर सुबह 8:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक काम करेंगे। इसी तरह सोहना, पटौदी मंडी और फर्रुखनगर के नगर परिषदों और नगर समितियों के दफ्तर भी सुबह 8:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक ही खुलेंगे।

23 दिसंबर को राज्य स्तर पर मनाई जाएगी संत गुरु ब्रह्मानंद की जयंती, हरविंद्र कल्याण की अगुवाई में होगा भव्य आयोजन

चंडीगढ़ : महान संत गुरु ब्रह्मानंद जी की जयंती पर कैथल जिले के चूहड़ माजरा गांव में 23 दिसंबर को होने वाले राज्य स्तरीय समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण की अगुवाई में होने वाले इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।

वि.स. अध्यक्ष कल्याण इस समारोह को गरिमामय एवं जनभागीदारी से परिपूर्ण बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां करवा रहे हैं। इस सिलसिले में वे जहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं, वहीं गुरु जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान भी चला चुके हैं। उन्होंने

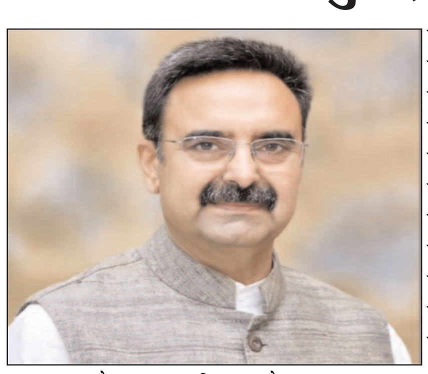

करनाल, कैथल, पानीपत और कुरुक्षेत्र सहित अनेक जिलों में स्थान-स्थान पर बैठकें की हैं। घरौंडा, इसराना, इन्द्री, नीलोखेड़ी, कुरुक्षेत्र, करनाल, असंध तथा पुंडरी में हुई बैठकों में सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय कार्यकताओं से व्यापक सुझाव लिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कहा है कि महान संत गुरु श्री ब्रह्मानंद जी की जयंती को लेकर सर्व समाज में उत्साह है। यह आयोजन सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और गुरु परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि गुरु ब्रह्मानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवता के महान पथप्रदर्शक थे। उन्होंने नारी शिक्षा, महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण आदि विषयों पर वर्षों पहले समाज को जागरूक किया।

वि.स. अध्यक्ष ने कहा कि संत महापुरुष किसी एक जाति धर्म के न होकर पूरे समाज व मानवता के लिए होते हैं। इसलिए आज उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाना लोकहित में है। राज्य सरकार द्वारा महापुरुषों की जयंतीयों को सरकारी स्तर पर मनाने का उद्देश्य भी उनके विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होने संत समाज, सामाजिक संगठनों और सर्व समाज के लोगों से अपील की कि वे इस पावन अवसर पर बढ़-चढ़कर भाग लें और गुरु श्री ब्रह्मानंद की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें।

हरियाणा में पूर्व विधायकों को मिलेंगे 10 हजार रुपए प्रति माह, सदन में सर्वसम्मति से विधेयक पारित

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन पूर्व विधायकों के हित में बड़ा फैसला लिया गया। लंच के बाद सदन में हरियाणा विधानसभा (वेतन, भत्ता और पेंशन) संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस प्रस्ताव को सदन में रखते हुए बताया कि इस संशोधन से राज्य के लगभग 550 पूर्व विधायकों को सीधा लाभ मिलेगा। विधेयक के तहत पूर्व विधायकों की पेंशन, महंगाई राहत और विशेष यात्रा भत्ते पर लगी एक लाख रुपये की अधिकतम सीमा को समाप्त कर दिया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार अब पूर्व विधायक यात्रा भत्ते के रूप में हर महीने 10 हजार रुपये तक प्राप्त कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि यह निर्णय पूर्व जनप्रतिनिधियों को आर्थिक सहारा प्रदान करेगा। सदन की कार्यवाही के दौरान स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने बताया कि जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट स्वास्थ्य कारणों से सत्र में उपस्थित नहीं हो सकीं। उन्होंने ई-मेल के जरिए अपनी अस्वस्थता की सूचना दी। शून्यकाल में भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा द्वारा कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल के खिलाफ लाए गए विशेषाधिकार प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया गया।

डंकी रूट से तय किया अमेरिका का खौफनाक सफर, पानी तक नहीं दिया, घर आकर बताई आपबीती

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र के उमरी गांव के योगेश ने अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश की, लेकिन यह सपना उसके लिए खौफनाक अनुभव बन गया। जुलाई 2024 में करनाल के एजेंटों ने उन्हें 50 लाख रुपए में अमेरिका भेजने का झांसा दिया। इसमें फ्लाइट टिकट, जॉब सिक्योरिटी और जीवन बीमा शामिल था। एडवांस के रूप में 15 लाख रुपए लिए गए और बाकि पैसे अमेरिका पहुंचने के बाद चुकाने का वादा किया गया। घर लौटे योगेश ने बताया कि 26 जुलाई 2024 को दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होने के बाद ब्राजील में कस्टडी में ले लिया गया। परिवार ने 15 लाख रुपए देकर उन्हें छुड़ाया। इसके बाद आरोपी उन्हें डेढ़ महीने तक ब्राजील में घुमाते रहे और फिर जंगलों के रास्ते कोलंबिया, पनामा, कोस्टा रिका, निकारागुआ और ग्वाटेमाला होते हुए मैक्सिको तक पहुंचाया। मैक्सिको में आरोपी गुर्गों ने बंदूक दिखाकर 32 लाख रुपए की मांग की, जिसे परिवार ने भुगतान किया।अमेरिकी बॉर्डर पार करने के बाद सेना ने योगेश को हिरासत में ले लिया। यहां उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। आठ महीने जेल में रहने के बाद 11 सितंबर 2025 को उन्हें भारत डिपोर्ट कर दिया गया।छोटे से कंटेनर में 40-50 लोग ठूंसे योगेश ने डंकी रूट के खौफनाक सफर को दशार्ने वाली 13 वीडियो साझा की। वीडियो में युवा

जंगल से गुजरते, पैरों में छाले, कीड़े-किड़ियों से जूझते और सड़कों के किनारे जमीन पर सोते दिखाई दिए। कंटेनरों में 40-50 लोग उकड़ू बैठने को मजबूर थे और सांस लेने में भी मुश्किल होती थी। पनामा में उन्हें बंदूकधारी डोंकरों के हवाले किया गया। जंगल में दो दिन तक खाना और पानी नहीं दिया गया। नदी के किनारे चार रातें बारिश में छिपकर बितानी पड़ी। नदी पार करते समय ठंड और तेज बहाव ने मुश्किलें और बढ़ा दी। कोस्टा रिका में पुराने कपड़े खरीदे और निकारागुआ के रास्ते मैक्सिको तक पैदल और वाहन यात्रा करनी पड़ी। मैक्सिको से अमेरिका बॉर्डर तक 17 घंटे छोटे कैंटर में उकड़ू बैठे रहने के बाद उन्हें दीवार पार करवाई गई, लेकिन तुरंत पकड़ लिया गया। यह खौफनाक सफर युवाओं के लिए चेतावनी है कि अवैध रास्तों पर जाने का सपना जानलेवा हो सकता है।

कोहरे ने बढ़ाई हरियाणा के किसानों की खुशी, इस फसल को होगा फायदा

अंबाला : अंबाला में पिछले कई दिनों से घना कोहरा पड़ रहा है जिसके कारण तापमान में काफी गिरावट आई है और तापमान में गिरावट के कारण ठंड बढ़ने लगी है। घने कोहरे के कारण जहां विजिबिलिटी बहुत कम हो गई है और वाहनों की गति धीमी हो गई है तो वहीं दूसरी तरफ कोहरा पड़ने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। कोहरा किसानों की फसलों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा, खासकर गेहूं की फसल के लिए तो कोहरा किसी रामबाण से कम नहीं है क्योंकि जितनी ज्यादा ठंड पड़ेगी, उतनी ज्यादा गेहूं की पैदावार ज्यादा होगी । किसानों का कोहरे का इंतजार तो खत्म हो गया लेकिन बारिश का इंतजार अभी बाकी है। अगर बारिश भी हो जाती है तो फिर सोने पर सुहागा वाली बात हो जाएगी। क्योंकि पिछले काफी दिनों से बारिश नहीं पड़ी । एक तरफ जहां कोहरा गेहूं की फसल के लिए काफी लाभदायक है तो वहीं कुछ फसलों के लिए ज्यादा कोहरा हानिकारक भी हो सकता है, जैसे कि सरसों और टमाटर की फसल के लिए। फिलहाल कोहरा पड़ने से किसान काफी खुश है।

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्रा, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव शरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम~ इशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बाला कृष्णा, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स: राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

हांगझू (एजेंसी)। जेद्दा~ अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस यादगार मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। राउंड-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में क्लच और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसकी झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीससीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे !

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक ÷शानदार÷ और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20द्ध मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज़ का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त

फ्लेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे । ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी । इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं । इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था । इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे । तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई । इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है । लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी । उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे । उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी ।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेटर बनी

विशाखापट्टनम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं हैं । हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की । हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही हैं । अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं । वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है । बेट्स ने 355 मैच खेले हैं । वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं । हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है । हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं । वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं ।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्वेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी

बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्वेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की । पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था । शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की । टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है । इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है ।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड) । मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा । एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है । वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है । रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया । यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया । इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा । उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की । यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है । वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है ।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे । इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है । महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा । वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे । टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा । रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे । पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है । हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे । महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी । हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं । इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है ।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, ' Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा । हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं । हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे ।' इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी । नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा ।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्श्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवीसय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर

आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता। '

मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थी। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपकी पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से घिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैंस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया चे विस्तिर्ण पात्र, निर्मळ पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए। अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

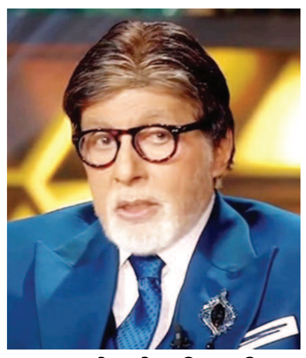

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का ज़िक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां ज़ोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज़्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिसमस पर रिलीज़ होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीज़न में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कातिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो हैं तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है।

तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिम्मतवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्ग्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइट में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें ली और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइट में करीना कपूर के साथ। मैं बेबो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं! कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइट में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षो के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपका बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर तारीफ की है। उन्होंने 'धुरंधर' को परफेक्ट फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की है। आइए जानते हैं अभिनेता ने फिल्म के बारे में और क्या कहा है? मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा 'यह परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देश हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।'

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं।' ख्याल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आई। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है। फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।

शेफाली शाह ने सुनाई वेकेशन की दास्तां

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुराने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शख्स न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्म्स का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैंट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जूते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया,' पुराने स्नो शूज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हील वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भद्दे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता। '

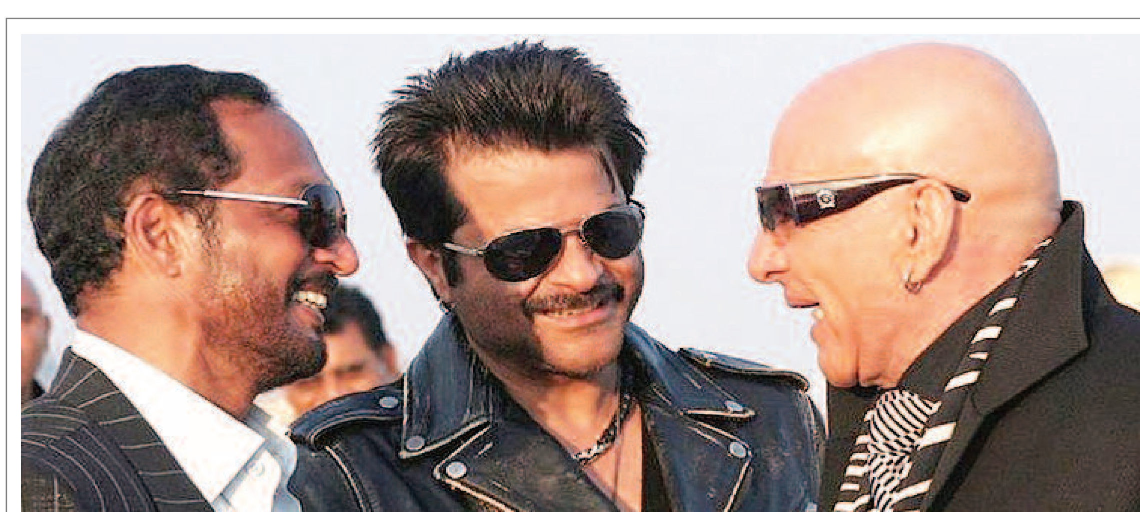

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुश्ताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुप्रिया कार्निक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कॉमेडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरा थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया।

साभार एजेंसी

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।